केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 54 रविवार 15 सितम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

मांगा न्याय, दीवान ने मारा थप्पड़..!

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। एक युवक ने जमीन बंटवारे में विवाद की शिकायत जब डायल–112 पर की तो उल्टे दीवान ने उसे थप्पड जड़ दिया। इसके बाद पीड़ित ने रोते हुए वीडियो बनाया और फिर उसे वायरल कर दिया। हालांकि वायरल वीडियो की भारतीय बस्ती पुष्टि नहीं करता। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

शनिवार को गौर थानाक्षेत्र के बेलवाराजा गांव निवासी विजय कुमार यादव ने गौर पुलिस को दिए तहरीर में बताया है कि उसके विपक्षी से जमीन के बंटवारे का वाद माननीय न्यायालय में चल रहा है। इसके बाद विपक्षी जबरिया जमीन पर निर्माण करा रहे हैं। जिसे लेकर उसने डायल–112 पर फोन करके सूचना दी। मौके पर पीआरबी गौर की टीम पहुंची। पीआरबी में तैनात दीवान महेंद्रनाथ द्वारा भद्दी–भद्दी गालियां देते हुए चाटा मारा और बोले कि विपक्षी जमीन पर निर्माण कराएगा, जो करना हो कर लो।

पीड़ित व दीवान के बीच बहस का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पीआरबी गौर में तैनात दीवान महेंद्र नाथ ने बताया कि कॉलर की सूचना पर बेलवाराजा गांव गया था। दोनों पक्षों को समझाया गया। कॉलर को चाटा मारने का आरोप बेबुनियाद है। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक गौर रामकुमार राजभर ने बताया कि पीड़ित द्वारा प्रार्थना–पत्र दिया गया है। दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया है। पीआरबी के दीवान द्वारा थप्पड़ मारने के मामले की जांच कराई जा रही है।

देश को एक सूत्र में पिरोती है हिन्दी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्वामी दयानन्द पूर्व माध्यमिक विद्यालय में हिन्दी दिवस बड़े धूम धाम से मनाया गया । इस अवसर 'आधुनिक परिवेश में हिन्दी की महत्व' विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता करायी गयी जिसमें कक्षा 5से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया।

बच्चों पुरस्कार व सम्मान प्रदान करते हुए विद्यालय के प्रबंधक ओम प्रकाश आर्य ने कहा कि भारतवर्ष के इतिहास में महर्षि दयानन्द पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने पराधीन भारत में सबसे पहले राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता के लिए हिन्दी को सर्वाधिक महत्वपूर्ण जानकर मन, वचन व कर्म से इसका प्रचार–प्रसार किया। उनके प्रयासों का ही परिणाम था कि हिन्दी शीघ्र लोकप्रिय हो गई। अगर भारत देश को एक सूत्र में जोडना है तो उसकी एक भाषा होना अत्यंत आवश्यक है। यह रिक्त स्थान अगर कोई भर सकता था तो वह हिंदी भाषा थी। उन्होंने बच्चों से अपनी बोलचाल एवं व्यवहार में हिन्दी भाषा को अपनाने का सुझाव दिया।

अनूप कुमार त्रिपाठी ने बताया कि स्वामी दयानंद द्वारा सर्वप्रथम 19 वीं सदी के चौथे चरण में एक राष्ट्र भाषा का प्रश्न उठाया गया ।

कार्यक्रम का संचालन आदित्य नारायण गिरी जी ने हिन्दी से संबंधित सामान्य की जानकारी दी।

इस अवसर पर शिक्षक नितीश कुमार, दिनेश मौर्य, अरविन्द श्रीवास्तव, अनीशा मिश्रा, महक मिश्रा , पूजा गौतम, आकृति द्विवेदी, शिवांगी सहित विद्यालय के सभी बच्चे सम्मिलित रहे।

मुठभेड़ में तीन आतंकवादी ढेर: दो सैन्यकर्मी शहीद

श्रीनगर (आभा)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में शनिवार को तीन आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले में पट्टन इलाके के चक टप्पर क्रीरी में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था।

पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार इलाके में तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद उनके बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों ने इलाके को चारों तरफ से घेर लिया था और सुबह हुई मुठभेड़ में उन्होंने तीन आतंकवादियों को मारा गिराया।

आतंकवादियों की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है साथ ही इस बात का भी पता लगाया जा रहा है कि वे किस संगठन से जुड़े थे। अधिकारी ने बताया कि अभियान अभी जारी है।

जम्मू–कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के ऊपरी इलाकों में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में एक जूनियर कमीशन अधिकारी (जेसीओ) समेत दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए जबकि दो अन्य घायल हो गए। सुरक्षा अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने छतरू क्षेत्र के नैदघाम इलाके में घेराबंदी करके एक तलाशी अभियान शुरू किया और इस दौरान ही मुठभेड़ हुई।

उन्होंने बताया कि छतरू पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में नैदघाम गांव के ऊपरी इलाकों में पिंगनल दुगड्डा वनक्षेत्र में सुरक्षा बलों के तलाशी दलों और छिपे हुए आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि मुठभेड़ में सेना के चार जवान घायल हो गए और उनमें से दो जवान जेसीओ नायब सूबेदार विपन कुमार और सिपाही अरविंद सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। सेना ने भी दो जवानों के शहीद होने की पुष्टि की है।

लोक अदालत में 76417 वादों का निस्तारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, के तत्वाधान में शनिवार को माननीय जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण अध्यक्ष कुलदीप सक्सेना के मार्गदर्शन में तथा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, बस्ती अपर जिला जज अनिल कुमार के प्रभार में जनपद न्यायालय परिसर, सभी ग्राम न्यायालय, सभी तहसील, राजस्व न्यायालय में राष्ट्रीय लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, रवीश गुप्ता पुलिस अधीक्षक, गोपाल कृष्ण चौधरी की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के कुल 76417 वादों का निस्तारण किया गया ।

पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण अखिलेश दूबे, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय कु० आराधना रानी, अपर जिला जज प्रथम शिव चन्द, अपर जिला जज एवं विशेष न्यायाधीश (ई०सी० एक्ट) राम करन यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आशीष कुमार राय, सिविल जज (सी०डी०) अमित मिश्रा समेत न्यायिक अधिकारीगणों ने प्रतिभाग किया। लोक अदालत में जिला कारागार, बस्ती में निरूद्ध बन्दियों द्वारा निर्मित हस्तशिल्प कला की प्रदर्शिनी भी लगाई गई, जो आम जन के क्रय हेतु भी उपलब्ध थी एवं कुछ आगंतुकों द्वारा उपलब्ध सामग्रियों को क्रय भी किया ।

हिन्दी हमारी पहचान–सन्तोष सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिंदी दिवस पर जी.वी. एम. कान्वेंट स्कूल में अनेक आयोजन किये गये। "गणपति क्ले मेकिंग" प्रतियोगिता भी आयोजित कराई गई जिसमें सैकड़ो बच्चों ने हिस्सा लिया।

विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह एवं प्रधानाचार्या श्रीमती विजयलक्ष्मी सिंह जी बच्चों को हिंदी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा कि हिंदी केवल हमारी मातृभाषा ही नहीं बल्कि हमारा अभिमान सम्मान एवं पहचान है । हिंदी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कराए गए जिसमें कविताएं, दोहे, भाषण एवं सुविचार प्रस्तुत कराए गए। कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया।

हिन्दी दिवस पर विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हिन्दी दिवस पर दिल्ली पब्लिक सीनियर स्कूल एवं यूरो किडस पचपेडिया में अनेक आयोजन किये गये। सुलेख प्रतियोगिता,वाद विवाद प्रतियोगिता, नाट्य मंचन,निबंध प्रतियोगिता,हिंदी कविता आदि प्रतियोगिताओं में बच्चों ने सहभागिता की । विद्यालय के प्रबंधक अमर मणि पाण्डेय, प्रधानाध्यापिका पाण्डेय ने छात्रों को हिन्दी के महत्व की जानकारी दिया। कार्यक्रम में श्रीमती नीलम , के.बी. लाल, अविनाश, रामाशीष चौधरी,श्रीमती रितिका सिंह, श्रीमती पूजा शुक्ला, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा, श्रीमती संजू सिंह, श्रीमती रिया सिंह, श्रीमती प्रिया श्रीवास्तव, सुमन गुप्ता, आराध्या सिंह, दिव्या जायसवाल, अवनी गुप्ता आदि शामिल रहे।

हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी में विमर्शः सम्मानित हुई विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शनिवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर पूर्वान्चल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास संस्थान अध्यक्ष महेन्द्र तिवारी के संयोजन में प्रेस क्लब सभागार में संगोष्ठी, काव्य गोष्ठी और सारस्वत सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ. रघुवंशमणि त्रिपाठी ने कहा कि सभी भाषायें महत्वपूर्ण हैं किन्तु मातृ भाषा का अपना विशेष सुख है। हिन्दी दुनियां में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है और वह अपने कमेरा वर्ग की ताकत से लगातार प्रतिष्ठित हो रही है। हिन्दी में अब ज्ञान विज्ञान की पुस्तकें भी लगाए जा रही है, यह शुभ संकेत है। कार्यक्रम में हास्य के वरिष्ठ कवि डॉ. ताराचन्द तन्हा कृत ' लट्ठमेय जयते' और पत्नी चालीसा का लोकार्पण किया गया। डॉ. ताराचन्द तन्हा ने दोनों पुस्तकों से कुछ रचनायें सुनाकर वाहवाही लूटी।

अध्यक्षता करते हुये वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. रामकृष्ण जगमग ने कहा कि हिन्दी अब समूचे विश्व में प्रतिष्ठित हो रही है। उनकी पंक्तियां 'धूमिल हो सकती नहीं हिन्दी की तस्वीर, हिन्दी ने हमको दिया, तुलसी, सूर, कबीर' को सराहना मिली। डा. जगमग ने कहा कि हिन्दी की छाप अधिकांश भारत की क्षेत्रीय भाषाओं पर है। भाषा लोगों को जोड़ती है।

संगोष्ठी को सम्बोधित करते हुये वरिष्ठ पत्रकार दिनेश सांस्कृत्यायन ने कहा कि हिन्दी को इण्टर मीडिएट तक अनिवार्य कर दिया जाना चाहिये। उन्होने ज्ञान, विज्ञान से हिन्दी को समृद्ध करने पर जोर दिया। संगोष्ठी को डॉ. सत्यव्रत, आलोक त्रिपाठी, डा. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, मजहर आजाद, प्रकाश चन्द्र गुप्ता, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, जयन्त कुमार मिश्र, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, भावेष पाण्डेय, संध्या दीक्षित आदि ने सम्बोधित करते हुये हिन्दी के विकास यात्रा के विविधा पक्षों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

संगोष्ठी के क्रम में विनोद कुमार उपाध्याय हर्षित, अर्चना श्रीवास्तव, रहमान अली 'रहमान', डॉ. अजीत श्रीवास्तव 'राज' आदि ने कविता और शायरी के माध्यम से हिन्दी दिवस के महत्ता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर पूर्वान्चल साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विकास संस्थान द्वारा डा. रघुवंश मणि त्रिपाठी, डॉ. ताराचन्द तन्हा, डॉ. रामकृष्ण लाल 'जगमग', विनोद उपाध्याय हर्षित, डा. वी.के. वर्मा, राघवेन्द्र मिश्र, अजीत श्रीवास्तव 'राज' डा. ज्ञानेन्द्र पाण्डेय सरल, हरीराम, वृजेश कुमार द्विवेदी, बब्बन प्रसाद पाण्डेय, हरीश दरवेश, फरोजा मसूरी, आदि को उनके योगदान के लिये अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजक महेन्द्र तिवारी ने आगन्तुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुये संगोष्ठी की उपादेयता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में दिनेश सिंह, गोकरन पाण्डेय, विपिन बिहारी त्रिपाठी, अमन पाण्डेय, अनुराग श्रीवास्तव, दिनेश कुमार पाण्डेय, दिलीप चन्द्र पाण्डेय, अजय कुमार श्रीवास्तव, अमर सोनी, राजेश पाण्डेय, अरूण कुमार, अशोक श्रीवास्तव, जिशान हैदर रिजवी, संदीप गोयल, राकेश श्रीवास्तव 'बिन्नू' लालू प्रसाद यादव, अरशद मसूद, राजकुमार शुक्ल, बबुन्दर यादव, राकेश गिरी, राजेश चित्रगुप्त, वशिष्ठ पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश शर्मा, अरूणेश श्रीवास्तव, अमित सिंह, सर्वेश श्रीवास्तव, सुनील मिश्र, एम.डी. कलीम, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, जय प्रकाश, राधेश्याम दूबे, अभिनव पाण्डेय हर्ष, शिवराज सिंह, सुरेश सिंह गौतम, लवकुश सिंह, मुनोव्वर हुसेन, वी.के. त्रिपाठी, अरशद महमूद, आकाश शुक्ल, राकेश तिवारी, राजेन्द्र उपाध्याय, आनन्द कुमार गुप्ता के साथ ही बड़ी संख्या में समाज के विभिन्न वर्गो के जागरूक लोग उपस्थित रहे।

–डॉ. ताराचन्द तन्हा कृत ' लट्ठमेय जयते' और 'पत्नी चालीसा' का लोकार्पण

बोले अखिलेश–क्या गूगल का भी पुतला फूकोगे

लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने माफिया से मठाधीशों की तुलना करने पर विवाद के बीच अपने बयान का बचाव किया और कहा कि जब ये कहा गया था कि इनको मारो जूते चार तब ये साधु–संत कहां थे। अखिलेश ने कहा कि साधुओं और संतों को तब भी विरोध करना चाहिए था जब किसी नेता ने कहा था कि इनको मारो जूते चार। गूगल पर मठाधीश का विवरण देखने की सलाह देकर अखिलेश ने पूछा कि क्या ये लोग गूगल के खिलाफ धरना देंगे, क्या ये लोग गूगल का पुतला फूंकेंगे?

अखिलेश ने सुलतानपुर के विवादित मंगेश यादव एनकाउंटर को लेकर एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की सरकार ने इतने एनकाउंटर किए हैं कि उसने इसे मुठभेड़ की राजधानी बना दिया है। ऐसा कोई नहीं है जो यह नहीं जनता हो कि बीजेपी की सरकार में फर्जी मुठभेड़ हो रहे हैं, हत्याएं हो रही हैं।

आपका सेवक आपके द्वार अभियानः विधायक अजय सिंह ने गिनाई सरकार की उपलब्धियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया विधायक अजय सिंह ने शनिवार को आपका सेवक आपके द्वार अभियान के तहत सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए जनता की समस्याएं सुनी। हर्रैया ब्लाक के मुड़बरा, बेलाड़े शुक्ल, देबया बक्श पाण्डेय, चोरखरौ, हरिवंशपुर और भीटी मिश्र ग्राम पंचायत में विधायक ने चौपाल लगाकर वहां की जनता से मुखातिब हुए। चौपाल के माध्यम से विधायक ने अलग–अलग मुद्दों पर ग्रामीणों से बात किया। ग्रामीणों ने अपनी बात खुलकर विधायक के सामने रखी। कई समस्याओं का निराकरण किया तथा कई मामलों में संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर समाधान का आश्वासन दिया। विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश निरंतर नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमारी सरकार का प्रयास सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, नवाचार, दृढ़ इच्छा शक्ति, भ्रष्टाचार और आतंकवाद पर जीरो टॉलरेंस, नीतिगत पहल, साहसिक निर्णय और सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास रहा है। कहा कि भाजपा सरकार आने से हर गरीब को पक्का आवास, शौचालय, हर घर नल जल योजना के तहत स्वच्छ पानी, स्वास्थ्य बीमा, उज्ज्वला योजना के द्वारा निशुल्क गैस कनेक्शन मिले हैं।

कार्यक्रम के अवसर पर तुलसीराम वर्मा, पवन कुमार वर्मा, मनोज कुमार मिश्र, राम मनोरथ चौधरी, राघव राम वर्मा, राम सहाय सोनकर, अनिल कुमार शुक्ल, सुनील कुमार, विशाल कुमार, ओमप्रकाश, राजेश, रंगीलाल, हरिश्चंद्र वर्मा, सुषमा तिवारी, सुनील वर्मा, अखंड प्रताप सिंह, चंद्रप्रकाश वर्मा, सुखराम, छत्रव चंद्र, राम सूरत, मनोज कुमार, हरिहर प्रसाद चौधरी, विक्रमजात चौधरी, मनोज श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

सेन्ट्रल एकेडमी में हिन्दी दिवस पर निबन्ध, भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को सेन्ट्रल एकेडमी में हिन्दी दिवस उल्लास और संकल्पों के साथ मनाया गया। छात्र–छात्राओं ने हिन्दी के महत्व पर अपने विचार रखे और निबन्ध प्रतियोगिता के साथ विजेताओं को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

एकेडमी के निदेशक एवं हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाओ महा आन्दोलन के सह संयोजक जे.पी. तिवारी ने कहा कि हमें सभी भाषाओं का आदर करना चाहिये। मराठी, तमिल, मलयालम, बांग्ला, उर्दू, अरबी, अंग्रेजी के साथ ही दुनियां की सभी भाषायें महत्वपूर्ण है। हिन्दी हमारी मातृ भाषा है इसलिये इसके प्रति विशेष लगाव होना ही चाहिसे। उन्होने छात्रों से कहा कि भाषा जड़ नहीं हो सकती, उसका एक प्रवाह है। अब पूरा देश हिन्दी को समझता है। हिन्दी जीवन और व्यापार की भी सशक्त भाषा है।

निदेशिका सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने कहा कि हिन्दी दिवस हमें प्रति वर्ष अपनी जड़ों से जुड़ना सिखाता है। हिन्दी का क्षेत्र व्यापक और विविधता भरा है। प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने कहा कि बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है। जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं।

इस अवसर पर छात्रों ने हिन्दी दिवस पर अपने विचार रखे। कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के बीच हिन्दी पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आबिद अरशद, द्विजेन्द्र, अजय दूबे, साक्षी, उन्नति, दया, गीताजलि, श्वेता चौधरी, ऋचा, सुधा, सुनीता, हिमांशु, निखिल आदि ने छात्रों को हिन्दी भाषा के महत्व की जानकारी दिया। छात्र–छात्राओं मानसी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदिश्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, शिवांश राय, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, सृष्टि सिंह, आयुष, अर्चित, अलका, आराध्या, कार्तिक दूबे आदि ने हिन्दी पर केन्द्रित गोष्ठी में विचार रखे।

–हिन्दी जीवन और व्यापार की सशक्त भाषा– जे.पी. तिवारी

डा. रामजी सोनी पर बाहर की दवा लिखने, जांच के नाम पर कमीशनखोरी का आरोप

–पीड़ित ने मुख्यमंत्री सहित उच्चाधिकारियों से किया न्याय दिलाने की मांग

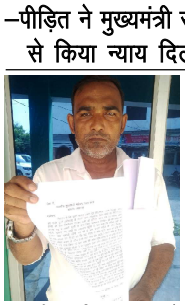

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली थाना क्षेत्र के बाटा गली निवासी परवेज आलम पुत्र स्वर्गीय रमजान अली ने मुख्यमंत्री, जिलाधिकारी के साथ ही अन्य उच्चाधिकारियों को पत्र देकर जिला अस्पताल में तैनात डा. रामजी सोनी द्वारा बाहर की दवा लिखने, अपने चहेते स्थान पर पैथोलोजी जांच कराने का आरोप लगाते हुये दोषी चिकित्सक के विरूद्ध कार्यवाही की मांग किया है।

भेजे पत्र में परवेज आलम ने कहा है कि गत 3 सितम्बर को वे अपने रिश्तेदार वाजिद अली की तबीयत खराब होने पर जिला अस्पताल में तैनात डा. रामजी सोनी के पास पहुंचे। दूसरे दिन उन्होने 4 सितम्बर को खून की जांच बाहर से कराने को कहा। डाक्टर साहब के साथ आया बाहर का जांच कर्मी सेम्पल लेकर गया और जांच का एक हजार रूपया नकद लिया। वह जांच अस्पताल में भी हो सकती थी। कमीशन की लालच में डाक्टर से मरीज जिन्दा वापस घर जाय तो यहां से भाग जाओ वरना लाठी से मारकर यहां से भगा दूंगा। परवेज आलम के अनुसार उसने इसकी शिकायत स्वास्थ्य निदेशालय के टोल फ्री नम्बर 18001805145 पर किया जहां से सीएमएस को भी लाइन पर लिया गया, सीएमएस ने कार्यवाही का आश्वासन दिया किन्तु कोई कार्यवाही नहीं की गई। उसके बाद मोबाइल नम्बर 9839657624 से फोन आया कि आप जांच में दिया गया एक हजार रूपया वापस ले जाय। परवेज आलम ने पत्र में कहा है कि जिला अस्पताल में पूरी तरह से मनमानी कर गरीबों का आर्थिक शोषण किया जा रहा है। मामले की पूरी जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही कराया जाय जिससे आर्थिक शोषण बंद कराया जा सके।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 15 सितम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

केजरीवाल की रिहाई

कई महीने जेल में गुजारने के बाद आखिरकार आम आदमी पार्टी के सुप्रीमो और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत मिल ही गई। लेकिन हरियाणा विधानसभा चुनाव से महज कुछ हफ्ते पहले हुई इस रिहाई की राजनीतिक चश्मे से अलग–अलग व्याख्या की जा रही है। भले ही फैसले से आप ने राहत की सांस ली हो, लेकिन जमानत के विरोध को लेकर सीबीआई की विश्वसनीयता पर भी प्रश्न उठे हैं। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल को शराब घोटाले में ईडी द्वारा दर्ज मामले में यह जमानत दी है। हालांकि, अब केजरीवाल हरियाणा में चुनाव लड़ रहे आप उम्मीदवारों के लिये प्रचार करने के लिये स्वतंत्र हैं, लेकिन वे इस मामले के गुण–दोष को लेकर कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं कर सकेंगे। साथ ही सामान्य रूप से वे मुख्यमंत्री के रूप में अपने दायित्वों का भी पालन नहीं कर सकेंगे। बहरहाल, इन सीमाओं और शर्तों के बावजूद उनकी पार्टी राहत की सांस ले सकती है। निस्संदेह, रिहाई से हरियाणा में पार्टी के उम्मीदवारों का मनोबल बढ़ेगा। रिहा होने के बाद केजरीवाल ने कहा भी है कि जेल से आने के बाद मैं सौ गुना ताकतवर महसूस कर रहा हूं। वहीं सीबीआई के लिये यह असहज करने वाली स्थिति है कि मामले की सुनवाई कर रही बेंच के एक न्यायाधीश ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत देने में सीबीआई द्वारा बाधा डालने की बात कही है। वैसे जमीनी हकीकत यह भी है कि इस मुकदमे के निकट भविष्य में निबटने की संभावना कम ही है। बहरहाल, शीर्ष अदालत ने केजरीवाल की रिहाई के आदेश देकर संवैधानिक और कानूनी रूप से सही कदम उठाया है। सार्वजनिक विमर्श में भी यह बात उठती रही है कि एक मुख्यमंत्री व एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेता को सामान्य अपराधी की तरह ज्यादा समय तक जेल में नहीं रखा जाना चाहिए। अदालत ने कुछ समय पहले इस मुद्दे को लेकर अपनी राय प्रकट की थी।

वहीं दूसरी ओर अदालत ने इस आशंका को भी खारिज किया कि रिहाई के बाद मुख्यमंत्री सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद केजरीवाल न्यायिक प्रक्रिया के दायरे में हैं। वहीं सवाल सीबीआई की कार्यशैली व विश्वसनीयता को लेकर भी उठे हैं। वैसे भी यदि सीबीआई के पास पुख्ता सबूत थे तो उसे जमानत को लेकर सवाल नहीं उठाने चाहिए थे। जिसके चलते विपक्ष को सरकार पर राजनीतिक प्रतिशोध के रूप में कार्रवाई करने के आरोप लगाने का मौका मिला। बहरहाल, केजरीवाल की रिहाई के बाद दिल्ली कांग्रेस प्रमुख की तीखी प्रतिक्रिया से कयास लगाये जा सकते हैं कि इस फैसले का असर हरियाणा चुनाव पर पड़ सकता है। राजनीतिक पंडित मानते हैं कि राज्य की जनता में सत्ता विरोधी आक्रोश का जो पूरा लाभ अब तक कांग्रेस को मिलने के आसार थे, उसमें केजरीवाल की सक्रियता से असर पड़ सकता है। एक तो हरियाणा केजरीवाल का गृह राज्य है और दूसरी ओर राज्य में स्टार प्रचारक के रूप में केजरीवाल की सक्रियता आप का जनाधार बढ़ा सकती है। इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह भी बढ़ेगा और वे पार्टी प्रत्याशियों को सफल बनाने की कवायद में भी जुट सकते हैं। जिससे भाजपा विरोधी वोटों का बंटवारा हो सकता है। जाहिरा तौर पर हरियाणा में कांग्रेस जिस बड़ी कामयाबी की उम्मीद लगाए बैठी थी, उसके ताजा घटनाक्रम से प्रभावित होने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस के साथ सहमति न बनने के कारण आप राज्य की सभी सीटों पर ताल ठोक रही है। यह भी कि 21 मार्च को ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद केजरीवाल को कोर्ट ने लोकसभा चुनाव के दौरान जमानत दी थी। उन्हें 26 जून को फिर से सीबीआई द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। तब से वे जेल में ही थे। जमानत पर पांच सितंबर को सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। फिर शुक्रवार को उन्हें जमानत मिली। निश्चित रूप से दिल्ली आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह के बाद केजरीवाल की रिहाई से आप के नेताओं व कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है।

हिन्दी की क्षमता पहचानिये

—डॉ. संजय वर्मा—

हमारे देश के छात्र कोई ऊंची पढ़ाई करने जब विदेश जाते हैं तो ज्यादातर मामलों में उनके सामने पहली शर्त उस देश की भाषा सीखने की होती है। कनाडा जाएंगे, तो अंग्रेजी से पहले फ्रेंच, रूस–यूक्रेन जाएंगे तो रूसी, चीन–जापान जाएंगे, तो मंदारिन या जापानी भाषा में इतने कौशल की मांग की जाती है ताकि उस भाषा में वे संबंधित पढ़ाई कर सकें। इसके लिए भाषा सिखाने से जुड़े पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं, जो वहां दाखिला पाने से पहले अच्छे अंकों या ग्रेड के साथ पूरे करने होते हैं। इसका एक पहलू यह भी है कि ज्यादातर देशों ने अपनी मातृभाषा या उस भाषा को कामकाज की अपनी आधिकारिक भाषा बना रखा है, जो उन देशों की बहुसंख्यक आबादी बोलती–समझती है। इसके लिए वे खुद कोई समझौता नहीं करते, लेकिन विदेश से आने वाले छात्रों और कारोबार या राजनयिक संबंधों के तहत वहां आने–जाने वालों को उनकी भाषा सीखने का समझौता करना होता है।

विडंबना है कि भारत के संबंध में ऐसा नहीं है। ब्रिटिश गुलामी से निजात पाने के इतने लंबे अरसे के बाद भी यहां अंग्रेजी ही सर्वमान्य भाषा बनी हुई है। हिंदी अथवा किसी अन्य स्थानीय भाषा को जानने–समझने की जरूरत विदेशियों से यहां किसी भी उद्देश्य के साथ आने पर नहीं की जाती है। इस पर विसंगति यह है कि देश के भीतर ही ज्यादा सरकारी व निजी प्रतिष्ठानों में नौकरी के लिए अंग्रेजी तो हर तरह से स्वीकार्य है, लेकिन जो हिंदी देश के बड़े भूभाग पर बोली, जानी और समझी जाती है, उसे दोयम माना जाता है।

हम इस माथायी पिछड़ापन पर तब कोई शर्म नहीं महसूस करते, जब इसरो के सूर्ययान आदित्य एल–1 के सूरज के करीब पहुंचने का जश्न मना रहे होते हैं। चंद्रयान–3 के चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने पर शाबाशी लूट रहे होते हैं। गगनयान की तैयारियों का गौरव के साथ बखान कर रहे होते हैं। आश्चर्य है कि आदित्य, चंद्रयान, गगनयान– ये सारे शब्द (संस्कृत निष्ठ) हिंदी की देन हैं। लेकिन इनसे जुड़ी सफलताओं का जिक्र अक्सर अंग्रेजी में ही होता है। दुनिया को अपनी उपलब्धियों के बारे में बताना हो, तो अंग्रेजी के इस्तेमाल से गुरेज नहीं होना चाहिए। पर हमारा पड़ोसी चीन ऐसा नहीं करता। इस्राइल ऐसा नहीं करता। जापान ऐसा नहीं करता। हमारा स्वाभाविक दोस्त रूस ऐसा नहीं करता। विश्व स्तर पर राजनीतिक संदेश देने या किसी उपलब्धि का बखान करने के लिए ये सारे मुल्क अंग्रेजी के बजाय उस भाषा का चुनाव करते हैं, जिनसे उनके देश की पहचान जुड़ी है।

दुनिया में भारत अब पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। पिछले वर्ष (2023 में) जी–20 का सफल आयोजन कर भारत ने दिखा दिया है कि कभी गरीब कहे जाने वाले इस देश की आज की तारीख में क्या वैश्विक हैसियत है। एक से बढ़कर एक उपलब्धियां हैं जो जंबूद्वीपे भारतखंडे कही जाने वाली विविधताओं में एकता का आह्वान करने वाली भारतभूमि का गौरवगान करती हैं और तमाम दुनिया को प्रेरणा देती हैं। पर जब बात इसी भारत की सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा हिंदी की आती है, तो कई मलाल एक झटके में हमें कुछ सोचने को विवश कर देते हैं। एक तरफ हिंदी को भारत में राष्ट्रभाषा का व्यावहारिक दर्जा नहीं मिलना चिंता में डालता है, तो दूसरी तरफ यह सवाल भी उठता है कि जनसंख्या और वैश्विक प्रभुत्व के बल पर यदि चाइनीज (मंदारिन), स्पेनिश, अरैबिक, फ्रेंच को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिल सकता है, तो हिंदी को यह सम्मान मिलने में क्या समस्या है।

हमें ये तथ्य गौरवान्वित करते हैं कि भारत कई भाषाओं और लिपियों से समृद्ध देश है। यहां कई सारी भाषाएं बोली जाती हैं। फिर भी देश के आधे से ज्यादा हिस्से को हिंदी भाषा ही जोड़ती है। भले ही अंग्रेजी का प्रचलन बढ़ गया हो लेकिन हिंदी अधिकतर भारतीयों की मातृभाषा है। हालांकि भारत में हिंदी को राष्ट्रभाषा का दर्जा नहीं मिला है लेकिन राजभाषा के तौर पर हिंदी की खास पहचान है। भारत के साथ ही विदेशों में बसे भारतीयों को भी हिंदी भाषा ही एकजुट करती है। हिंदी हिंदुस्तान की पहचान भी है और गौरव भी। हिंदी को लेकर दुनियाभर के तमाम देशों में बसे भारतीयों को एक सूत्र में बांधने के लिए विश्व हिंदी दिवस (10 जनवरी) मनाया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी दिवस का आयोजन 14 सितंबर को होता है। दो अलग–अलग तारीखों पर हिंदी दिवस मनाने की वजह शायद इसीलिए पड़ रही है कि कहीं तो कोई हिंदी के अस्तित्व को स्वीकार करे। हालांकि, इसका एक तथ्य यह है कि राष्ट्रीय हिंदी दिवस भारत में हिंदी को आधिकारिक दर्जा मिलने की खुशी में मनाते हैं, वहीं विश्व हिंदी दिवस दुनिया में हिंदी को वही दर्जा दिलाने के प्रयास में मनाया जाता है।

यूं वैश्विक पटल पर देखें तो सिनेमा और दूसरे अनेक डिजिटल मंचों पर भी हिंदी स्वाभाविक गति से बढ़ती नजर आ रही है। अमेजॉन जैसी ई–कॉमर्स कंपनी हिंदी के महत्व को समझते हुए अपनी वेबसाइट पर हिंदी का विकल्प भी दे चुकी है। सोशल मीडिया के अनेक मंचों– जैसे कि यूट्यूब–फेसबुक और ब्लॉगिंग में हिंदी छाई हुई है। चौटजीपीटी और जेमिनी समेत एआई के कुछ टूल अब हिंदी में लिखे गए कूट संकेतों (प्राम्प्ट) को समझने और उनके मुताबिक जवाब देने लगे हैं। हालांकि, हिंदी को रोजगार की भाषा बनने के रास्ते में जो बाधाएं हैं, कहा जा सकता है कि इस मामले में हिंदी ने काफी तरक्की कर ली है। लेकिन यह एक बड़ा सच है कि जब तक भारत के सरकारी कार्यालयों, निजी संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र जैसे वैश्विक मंचों पर हिंदी को अहमियत नहीं मिलती, तब तक हिंदी को वह गौरव और सम्मान नहीं मिल सकता जिसकी असल में वह हकदार है।

शायद इसकी शुरुआत हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के अभियानों को उनकी परिणति तक पहुंचाने से की जा सकती है। लेकिन इससे जुड़ी सच्चाई यह है कि ऐसे अनगिनत प्रयासों को राजनीतिक स्वार्थ साधने वाली भाषा के विरोध की परंपरा ने कुंठित कर दिया है। हालांकि केंद्र सरकारें चाहतीं तो, वह उसका एक रास्ता हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा बनाने के रूप में भी चुन सकती हैं।

निश्चय ही हिंदी को भारतीय संविधान में राजभाषा का दर्जा दिया गया है और देवनागरी को इसकी लिपि के रूप में स्वीकार किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 343(1) में इस उल्लेख के साथ अंग्रेजी (रोमन) भाषा को भी सरकारी कामकाज में इस्तेमाल की अनुमति दी गई है। पर यहां ध्यान रखना होगा कि हमारे संविधान में कोई राष्ट्रभाषा नहीं है। इसके स्थान पर 22 भाषाओं को आधिकारिक भाषा के रूप में स्थान दिया गया है, जिसका तात्पर्य है कि केंद्र अथवा राज्य सरकार स्थान के अनुसार 22 में से किसी को भी अपनी आधिकारिक भाषा चुन सकती है। हिंदी, असमी, कन्नड़, उर्दू, कश्मीरी, कोंकणी, मैथिली, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, संथाली, सिंधी, तमिल, तेलुगु, बोडो, डोगरी, बंगाली और गुजराती– इन आधिकारिक 22 भाषाओं में से चयन का अधिकार राज्यों को हासिल है। इन राज्यों में गुजरात ने सभी 22 भाषाओं को समान अधिकार देने की बात वर्ष 2010 में की थी, पर विडंबना है कि देश के सरकारी कार्यालयों और न्यायालयों में सर्वत्र अंग्रेजी का ही बोलबाला है। अंग्रेजी हुकूमत के दो सौ साल में भारतीयों के अंदर गुलामी की जो मानसिकता विकसित हुई, वह अंग्रेजी भाषा के वर्चस्व के रूप में आज तक कायम है। इसका खमियाजा हिंदी के साथ–साथ देश की क्षेत्रीय भाषाओं को भी भुगतना पड़ रहा है। हैरानी इस बात को लेकर है कि ऐसे हिंदी के विरोधी खुशी–खुशी अंग्रेजी की गुलामी तो स्वीकार कर लेते हैं, लेकिन देश में हिंदी राष्ट्रभाषा बन सके– इस विचार को फूलने–फलने नहीं देते हैं।

—लेखक एसोसिएट प्रोफेसर हैं।

दिलों को जीतने का हुनर रखने वाले सीताराम येचुरी

—इंद्रजीत सिंह—

कम्युनिस्ट होते हुए रामायण व महाभारत जैसे भारतीय पौराणिक ग्रंथों के लोकप्रिय संदर्भों को निकाल कर उन्हें समकालीन परिस्थितियों के साथ जोड़ कर प्रासंगिक बनाने में सीताराम येचुरी को महारत हासिल थी। भारतीय संविधान की बुनियादी प्रस्थापनाओं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय–समय पर की गई समीक्षाओं को आधार बनाकर मौजूदा संदर्भों में व्याख्या करने के मामले में सीताराम येचुरी को संसद के भीतर और बाहर कोई हल्के में नहीं ले सकता था। राज्य सभा में जनतंत्र, आर्थिक स्थिति, धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय संप्रभुता, केन्द्र–राज्य संबंधों के स्वरूप और एक स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर उनके भाषण आने वाले चुनौतीपूर्ण दौर में धरोहर से कम नहीं।

समय से पहले चले जाने वाली किसी असाधारण शख्सियत पर लिखना वास्तव में बहुत कठिन होता है। पांच दशकों तक सक्रिय राजनीतिक जीवन में राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय धरातल पर अपनी छाप छोड़ने वाले सीताराम येचुरी केवल 72 वर्ष के ही थे। 12 सितंबर को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से उनकी दुखद मृत्यु की खबर बड़े झटके जैसी थी। देश भर से शोक व्यक्त करने हेतु लोगों द्वारा सीताराम येचुरी के साथ जिस तरह से अपने अपने फोटो पोस्ट किये जा रहे हैं वह पुष्टि करता है कि वे जहां भी गए वहीं दिलों पर अपनेपन की छाप छोड़ आए।

इन पंक्तियों के लेखक के उनसे समकालीन साथी के तौर पर 50 वर्ष सरोकार रहे। सीताराम येचुरी जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ के अध्यक्ष बने। साल 1975 में आपातकाल का विरोध करने पर दोनों गिरफ्तार हुए। पार्टी की जिम्मेदारियों के चलते साथ काम करने की लंबी अवधि गुजरी।

सीताराम येचुरी बहुप्रतिभावान व्यक्तित्व थे। उत्कृष्ट वामपंथी नेता, प्रखर विचारक, संवैधानिक बारीकियों के ज्ञाता थे। राज्य सभा में अपने बेहतरीन योगदान के लिए 2017 में उन्हें सर्वश्रेष्ठ सांसद के पुरस्कार से नवाजा गया। कम्युनिस्टों की जो कट्टरता वाली परंपरागत छवि गढ़ कर बनाई जाती है उसको बदलते हुए एक असल उदारतावादी और मानवीय सरोकारों वाली पहचान स्थापित करने का श्रेय उन्हें अवश्य जाता है। बता दें कम्युनिस्टों को धर्म के विरुद्ध बताकर विभिन्न धर्मों में आस्था रखने वाले लोगों के बीच उनकी छवि अकसर कट्टरवादी के रूप में गढ़ी जाती रही।

येचुरी ने बीते दिनों अपने संबोधन में धर्म और राजनीति के बीच आवश्यक दूरी को जरूरी बताया था। उनके मुताबिक, 'धर्म और राजनीति के बीच में एक रेखा होती है। उसे लक्षमण रेखा माना जाना चाहिए। यदि उसका उलंघन होता है तो वह न केवल राजनीति बल्कि धर्म के लिए भी हानिकारक है। वे आगे कहते हैं कि धर्म हर व्यक्ति का निजी मामला होता है। धर्म आत्मा और परमात्मा के बीच का संबंध है। किस व्यक्ति का परमात्मा कौन है वह केवल उस व्यक्ति की आत्मा जानती है। आत्मा और परमात्मा के बीच में किसी का हस्तक्षेप स्वीकार्य नहीं।'

कम्युनिस्ट होते हुए रामायण व महाभारत जैसे भारतीय पौराणिक ग्रंथों के लोकप्रिय संदर्भों को निकाल कर उन्हें समकालीन परिस्थितियों के साथ जोड़ कर प्रासंगिक बनाने में सीताराम येचुरी को महारत हासिल थी। भारतीय संविधान की बुनियादी प्रस्थापनाओं और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समय–समय पर की गई समीक्षाओं को आधार बनाकर मौजूदा संदर्भों में व्याख्या करने के मामले में सीताराम येचुरी को संसद के भीतर और बाहर कोई हल्के में नहीं ले सकता था। राज्य सभा में जनतंत्र, आर्थिक स्थिति, धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीय संप्रभुता, केन्द्र–राज्य संबंधों के स्वरूप और एक स्वतंत्र विदेश नीति को लेकर उनके भाषण आने वाले चुनौतीपूर्ण दौर में धरोहर से कम नहीं।

सीताराम येचुरी की शख्सियत की तीसरी खासियत यह थी कि वे राजनीतिक दलों के बीच तालमेल बिठाने के एक ऐसे शिल्पकार थे जिसकी स्वीकार्यता सर्वमान्य रही। हाल की जटिलतम राजनीतिक परिस्थितियों में विभिन्न विचारधाराओं वाले दलों को साथ लाकर इंडिया गठबंधन की स्थापना करने जैसे कठिन काम को अंजाम देने में सीताराम येचुरी की भूमिका निर्णायक मानी जाती है। वैचारिक स्पष्टता और वचनबद्धता उनमें ऐसे गुण थे जिनकी बदौलत उन्हें अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं के बीच एक विश्वसनीयता प्राप्त थी।

प्रकाश करात और सीताराम येचुरी उस नई पीढ़ी के नेता थे जिन्होंने राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के पुरोधा ईएमएस नंबूदरीपाद, ज्योति बसु, हरकिशन सिंह सुरजीत सरीखे कद्दावर नेताओं से जिम्मेदारी धारण करने का साहस दिखाया और इस दायित्व को बखूबी निभाया भी। कम्युनिस्ट पार्टियों में ऐसा इसलिए संभव हो पाता है कि ये पार्टियां सामूहिक कार्यपद्धति से संचालित होती हैं। हिंदी व अंग्रेजी में एक समान दक्षता से लिखने व बोलने वाले सीताराम येचुरी तेलुगू भाषी परिवार में पैदा हुए थे। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में वह लोकप्रिय वक्ता के रूप में जाने जाते थे। अर्थशास्त्र के विषय में उन्होंने स्नातक व स्नातकोत्तर की डिग्री बतौर टॉपर सेंट स्टीफंस कॉलेज से की और जेएनयू में पीएचडी में प्रवेश लिया। छात्र संघ के अध्यक्ष बनने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर भारत के छात्र फेडरेशन के अध्यक्ष और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के केंद्रीय कमेटी और पोलित ब्यूरो के सदस्य रहते हुए गत दस साल से अब तक पार्टी के महासचिव रहे।

एक जिंदादिल इंसान, काबिल विद्वान,देश की एकता और उसके इंसानों की जिंदगी को बेहतर बनाने के लिए ताउम्र सक्रिय रहने वाले राजनेता सीताराम अलविदा!

रूठों को मनाने की राजनीति

—मोहन लाल—

दुर्भाग्य ही कहेंगे कि क्षेत्रीय दलों और राष्ट्रीय दलों को पराए दलों से लडने की बजाय अपनों को मनाने में अधिक शक्ति लगानी पड़ती है। हाल ही में मैने शिरोमणि अकाली दल (बादल) को बिखरते देखा, हरियाणा में ओम प्रकाश चौटाला को चौ. देवी लाल के परिवार और उसके द्वारा चलाए जा रहे राजनीतिक दल को तार–तार होते देखा। जम्मू–कश्मीर में भूतपूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती के पी.डी.पी. दल को महबूबा ने अपनी आंखों के सामने आपस में भिड़ते देखा, तमिलनाडु में द्रमुक के कई हिस्से हो गए। 'आप' आपसी संघर्ष में उलझी हुई है, कांग्रेस जो आल इंडिया राजनीतिक दल है आंतरिक उलझनों से उलझ रहा है। 1977 में बनी जनता पार्टी आंतरिक विरोधों के कारण 1980 में ही टूट गई। जनता दल, लोकदल जाने कहां खो गए? सभी राजनीतिक दल अपनों से ही उलझ कर मर–खप रहे हैं। अंतर्कलह से कोई भी राजनीतिक दल मुक्त नहीं।

'पार्टी विद–ए–डिफरेंस' यानी अनुशासित दल भारतीय जनता पार्टी भी इस अंतर्कलह से अछूती नहीं है। यह बात हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में होने जा रहे विधानसभा चुनावों ने सिद्ध कर दिखाई। टिकट वितरण लिस्टों को बदलना पड़ा। सब दलों में एक अराजकता–सी फैली हुई है। यह अंतर्कलह किसी सिद्धांत के लिए नहीं अपितु अपनी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के कारण है। प्रत्येक नेता सत्ता के लिए लड़ रहा है। त्याग की भावना तो किसी राजनीतिक दल में दिखाई ही नहीं देती। सत्ता, निजी महत्व सब राजनेताओं पर हावी है। कुछ भी राजनीति में स्थिर नहीं। भागमभाग मची हुई है। चलो आज सिर्फ भारतीय जनता पार्टी पर ही एक बार बात करते हैं। हरियाणा और जम्मू–कश्मीर में भाजपा गुटों में बंटी दिखी। इसके कई नेता टिकट छिन जाने से मायूस और सोशल मीडिया में रोते दिखाई दिए। कई स्थानों पर मोदी भय ने अंतर्कलह को दबा दिया तो कहीं चाणक्य नीति की ललकार से ऐसे नेता डर गए। कई भाजपा नेता बलशाली थे उन्होंने दूसरी पार्टियों को अपना लिया। लोकतंत्र में गुटबंदी और अंतर्कलह राजनीतिक दलों के प्रभाव को कम करती जा रही है परन्तु ऐसा तो हर चुनाव में होगा ही। फिर भारतीय जनता पार्टी भला इस गुटबंदी से अछूत कैसे रह सकती है।

भारतीय जनता पार्टी ने स्वयं बोली लगा रखी है। अपना दल छोड़ो इसके एवज में टिकट ले लो। भाजपा का वर्तमान में एक ही लक्ष्य है उम्मीदवार की 'विनएबिल्टी' उसके लिए 20 अन्य योग्य, निष्ठावान, विश्वसनीय पुराने कार्यकर्त्ता की राजनीतिक बलि भी देनी पड़े तो भी भाजपा को चिंता नहीं। ऐसे में पार्टी के भीतर अंतर्कलह तो रहेगी ही न? चाहे थोड़े समय के लिए यह अंतर्कलह दब जाएं परन्तु कभी तो यह लावा फूटेगा ही? आज तो मोदी और अमित शाह का सिक्का चल रहा है। कल की राम जाने। हां, यह सत्य है कि टिकट वितरण के बाद अंतर्कलह उभरती तो जरूर है। मोदी–अमित शाह की जोड़ी की चुनाव संरचना ही ऐसी है कि हमें चुनाव जीतना है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी अन्य दलों से भिन्न है। राजनीति में विशेष रुचि रखने वाले भली–भांति जानते हैं कि 1950–51 में जब जनसंघ का जन्म हुआ और फिर 1977 में जनसंघ का 'दीपक' गुल कर जनता पार्टी में विलय कर दिया था और फिर एक नए राजनीतिक दल का गठन 1980 में कर लिया, तब से अब तक भारतीय जनता पार्टी में 4 ही नेता हमें दिखाई दिए।

अटल–अडवानी, मोदी–अमित शाह या अधिक हुआ तो पांचवां नेता मुरली मनोहर जोशी ही दिखाई दिए। छठा भाई का लाल कोई ध्यान में ही नहीं आता। भाजपा व्यक्ति विशेष के लिए राजनीति नहीं करती अपितु 'कोलैटिव–लीडरशिप' में विश्वास करती है। केवल नरेंद्र मोदी ही एक अपवाद हैं। संघ पीछे हटा तो अडवानी जी राजनीतिक वनवास में चले गए। मुरली मनोहर जोशी एक प्रख्यात प्रोफैसर थे अतरू विवाद से बचे रहे परन्तु उन पर 75 साल का दंश लग गया। अतरू आराम से बैठ गए। आज सिर्फ पार्टी में सर्वैसर्वा या मोदी है या अमित शाह। जनसंघ ने जिस जनता पार्टी के लिए अपना दीपक बुझा दिया उसी जनता पार्टी ने एक प्रस्ताव पारित कर जनता पार्टी का कोई भी सांसद, कोई भी पदाधिकारी या विधायक राष्ट्रीय स्वयं संघ की कार्यविधियों में हिस्सा नहीं ले सकता। अतरू 1980 में जनसंघ जनता पार्टी से अलग हो गया। 5 अप्रैल, 1980 में जनसंघ ने दिल्ली में एक नई पार्टी के गठन पर विचार किया। नई बनी भारतीय जनता पार्टी में गैर जनसंघ के नेता भी शामिल हो गए। जैसे सिकंदर बख्त, शांति भूषण, राम जेठमलानी बढिया नेता।

धर्म प्रचार को नेपाल पहुंचे लोगों के मुंह में कालिख पोत वापस किया

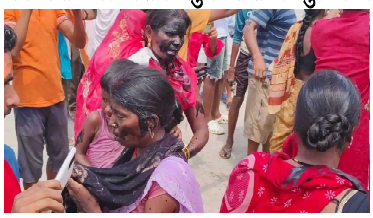

संवाददाता–महराजगंज। ठूठीबारी कस्बे से सटे नेपाल के महेशपुर स्थित बस स्टैंड में शनिवार को दो नेपाली नंबर प्लेट की बस में भरकर धर्म प्रचारकों को नेपाल के खैरहनी में विशेष पूजा के लिए कुछ लोग भेज रहे थे। इस बीच इसकी सूचना नेपाल के एक संगठन को मिल गई। नेपाली संगठन के लोगों ने इन धर्म प्रचारकों को बस से उतार कर हंगामा किया। इन लोगों के मुंह पर कालिख पोतकर बार्डर पार कराकर भारतीय सीमा में भेज दिया। ये लोग जिले के बार्डर क्षेत्र के गांवों के रहने वाले हैं। नेपाल पुलिस ने दोनों बसों को अपने कब्जे में ले लिया है। पुलिस ने सभी का नाम–पता भी नोट कर अपने पास रख लिया है। एक युवक ने बताया देवदह, थाना खैरहनी जनपद रूपनदेही के एक शख्स के कहने पर वे प्रार्थना के लिए जा रहे थे।

भारतीय क्षेत्र के बार्डर से सटे गांवों के लोग एक विशेष धर्म का प्रचार करने के लिए सैकड़ों की संख्या में ठूठीबारी के रास्ते नेपाल में एक–एक करके पहुंच गए। नेपाल के नवलपरासी जिले के महेशपुर कस्बे के बस स्टैंड से दो बसों से इन लोगों को खैरहनी नेपाल में विशेष पूजा में हिस्सा लेने जाना था। ये लोग जैसे ही बसों में बैठना शुरू किए, उसी समय नेपाल के हिन्दूवादी संगठन के लोगों ने इनको बस से बाहर उतार दिया। हंगामा करते हुए इन लोगों को नो मेंस लैंड तक पहुंचा दिया और नारेबाजी करते हुए इन लोगों के मुंह पर कालिख पोतकर बार्डर पार कराया। इसी बीच महेशपुर चौकी की नेपाल पुलिस ने इनका नाम पता नोट करके अपने पास रख लिया। हंगामा के चलते बार्डर पर कुछ समय के लिए अफरा–तफरी का माहौल बन गया था। इस दौरान कालिख लगाने को लेकर दोनों पक्षों में नोंक झोंक भी हुई।

विश्व हिंदू संगठन नेपाल के पदाधिकारियों ने बताया कि शनिवार नौ बजे भारतीय क्षेत्र से ठूठीबारी के रास्ते एक–एक करके करीब सौ की संख्या में महिला पुरुष के साथ कुछ छोटे बच्चों का जमावड़ा महेशपुर के बस पार्क में शुरू हो गया था। उस समय लोगों ने समझा कि ये लोग कहीं जाने वाले यात्री हैं। बाद में पता चला कि उनके द्वारा दो बड़ी नेपाली बस को रिजर्व किया गया है। ये सभी नेपाल के सीमावर्ती गांव में एक धर्म का प्रचार करने जा रहे है। महेशपुर सीमा प्रहरी इंस्पेक्टर गंगादत्त बडु ने बताया कि एक संगठन के लोगों की सूचना पर पुलिस पहुंची थी। सभी का नाम पता नोट कर चेतावनी देने के बाद भेज दिया गया है।

ठूठीबारी कोतवाली के बोदना गांव में प्रत्येक शुक्रवार और रविवार को विशेष पूजा नियमित होती है। इसको लेकर क्षेत्र में चर्चा है। यहां क्षेत्र के विभिन्न गांव के लोग जुटते हैं।

सपा मुखिया के खिलाफ भाजपाइयों ने किया प्रदर्शन, फूंका पुतला

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर सपा मुखिया अखिलेश यादव की टिप्पणी से नाराज भाजयुमो कार्यकर्ता शनिवार को सड़क पर उतर गए। जिलाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा की अगुवाई में कार्यकर्ताओं ने सपा मुखिया के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका प्रतीकात्मक पुतला फूंका।

भाजयुमो क्षेत्रीय सोशल मीडिया विशेषज्ञ अमित पाण्डेय ने सपा मुखिया अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश माफिया मुक्त होने पर वे परेशान हो गए हैं। ऐसा कोई अपने खास के लिए ही करता है। उन्हें बचाने के लिए वे मुख्यमंत्री पर आपत्तिजनक शब्दों का उपयोग कर रहे हैं।

इसका युवा मोर्चा पूर्ण रूप से विरोध करता है। जिला मंत्री सत्यम कुमार ने कहा कि आज भाजपा ने प्रदेश में शांति व्यवस्था को लागू किया है।

जबकि सपा शासनकाल में उपर से नीचे तक अपराध का बोलबाला था। उपाध्यक्ष शिवेंद्र उपाध्याय ने सपा को पूर्ण रूप से विफल पार्टी करार दिया। कहा कि अखिलेश यादव की बौखलाहट साफ दिखा रही है कि 2027 में फिर भाजपा को फिर पूर्ण बहुमत मिलेगी। इस दौरान अश्वनी पटेल, राहुल तिवारी, मयंक, करुणेश, मुरलीधर सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बिना रुके, बिना थके लक्ष्य के लिए प्रयास करें –बृजभूषण शरण सिंह

सवांददाता–गोण्डा। नन्दिनी कालेज के स्पोर्ट्स स्टेडियम में शनिवार को प्रतिभा सम्मान समारोह के दूसरे चरण का आयोजन किया गया। जिसमें तरबगंज ब्लाक के 26 कालेजों के 10वीं और 12वीं में इस साल के नतीजे में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण 1500 छात्र – छात्राओं को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मंच पर जिला पंचायत अध्यक्ष धनश्याम मिश्रा, एमएलसी अवधेश प्रताप सिंह, मंजू सिंह, ब्लाक प्रमुखों में मनोज पाण्डेय, सुमित भूषण सिंह विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। समारोह की शुरूआत दीप प्रज्जवलन और वाणी वंदना से हुई। इसके बाद प्रेरणा सत्र का संचालन हुआ। जिसकी शुरूआत करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि छात्र जीवन त्याग और प्रयास का जीवन है इसलिए हरेक एक छात्र को पहले अपने लक्ष्य का निर्धारण करना चाहिए और उसके पश्चात लक्ष्य के प्राप्ति तक बिना रूके और बिना थके प्रयास करना चाहिए। उन्होने कहा की युवाओं में उर्जा का असीम भंडार होता है जो आगे नही रहेगा इसलिए इसका भरपूर उपयोग कीजिए। उन्होने चेतन और अचेतन मन की व्याख्या करते हुए कहा की अचेतन मन लक्ष्य को पाने में विघ्न उत्पन्न करता है। दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर अचेतन मन का दमन कर चेतना से कार्य करने पर सफलता अवश्य मिलती है। एमएलसी मंजू सिंह ने कहा कि देवीपाटन मंडल के शिक्षा के उत्थान में पूर्व सांसद की भूमिका अहम है। उन्होने सांसद द्वारा पूरे मंडल मे विगत कई वर्षो से आयोजित की जा रही प्रतिभा सम्मान समारोह की सराहना भी की। जिला पंचयात अध्यक्ष ने कहा कि यह मंच जिले के प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर रहा है। प्रमुख मनोज पाण्डेय ने कहा कि जीवन में सफलता का मूलमंत्र शिक्षा में ही निहित है। इसलिए सभी छात्रो को मेहनत से पढाई करके ऐच्छिक मुकाम हासिल करना चाहिए। इस अवसर पर प्रशासक राम कृपाल सिंह, प्राचार्य डा बीएल सिंह, मुख्य नियन्ता डा देवानन्द तिवारी, अनिल पाण्डेय राम प्रकाश पाण्डेय, डा नवीन सिंह, पिंकल सिंह, सोनू सिंह समेत दो दर्जन कालेज के शिक्षक और छात्र छात्राए मौजूद रहें। लोकसभा चुनाव में कैसरगंज क्षेत्र के तरबगंज ब्लाक में भाजपा को सर्वाधिक मतों से जीत दिलाने वाले टाप टेन गांव के कार्यकर्ताओं को भी मंच पर मौजूद अतिथियों के हाथों पूर्व सांसद द्वारा सम्मानित कराया गया। इस सूची में शामिल गांवो में पहला स्थान विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पाण्डेय के गांव रानीपुर का रहा। अन्य गांवो में चौबेपुर, बहादूरपुर, सूसेला, जमथा, रांगी, सिसौ और करनीपुर के नाम शामिल थे। उक्त सभी गांव के कार्यकर्ताओं को पूर्व सांसद के द्वारा सम्मानित किया गया।

डीजे की आवाज सीमित दायरे में रखें –एसओ

संवाददाता–गोण्डा। जुलूसे मोहम्मदी में आयोजक निर्धारित समय सीमा के अंदर जुलूस को शांति पूर्वक संपन्न कराएं । डीजे की आवाज सीमित दायरे में रखें। किसी भी असुविधा या समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। कानून हाथ में लेने की कोशिश ना करें। यह बात बारह रबीउल अव्वल के मद्देनजर थाना प्रांगण में आयोजित पीस कमेटी की बैठक मे कोतवाल निर्भय नारायण सिंह ने कही । बैठक में नवाबगंज और ग्रामीण क्षेत्र के जुलूस से मोहम्मदी के आयोजक सम्मिलित हुए। कटरा, मीरपुर, दुर्जनपुर, पिपरी, बल्लीपुर, सिरसा, परसापुर, लौव्वाबीरपुर, होलापुर, शिवरहा, अकबरपुर, काजीपुर और नगर के आयोजकों के साथ कोतवाल ने जुलूस के समय सारणी, रूट और व्यवस्था की समीक्षा की। कोतवाल ने कहा कि यह पर्व मोहसिने इंसानियत का है। इसलिए सभी धर्म के लोग आपस में मिलकर सौहार्द पूर्वक पर्व मनाएं। बैठक में डॉ इकबाल अहमद, हाजी मोहम्मद शफीक, अशरफ राईन, बादशाह अंसारी, फारूक रैनी, मोहम्मद इब्राहिम, शहबाज खान, जैनुल आब्दीन, अली शान, सज्जाद खान, अकरम अली, इश्तियाक अहमद, वाहिद, कमर आलम, निजामुद्दीन, मोहम्मद अली, अयाज खान, इरफान अली, अब्दुल रहीम सहित थाना क्षेत्र के समस्त चौकी प्रभारी उपस्थित रहे।

खतरे के निशान से 63 सेमी ऊपर पहुंची घाघरा, अलर्ट मोड़ पर प्रशासन

संवाददाता–गोण्डा। सीजन के अंतिम समय में एक बार फिर से घाघरा नदी उफान पर है। नदी के उफान से बाढ़ खण्ड व प्रशासन सहित बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोग परेशान नजर आ रहे हैं । बाढ़ से जुड़े सभी विभागों के कर्मियों को अलर्ट कर बाढ़ चौकियों पर पहुंचने के निर्देश जारी किये गये हैं। बाढ़ खण्ड के अभियंता लगातार बांध पर ही कैम्प कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। शनिवार को मिले आंकड़ों के अनुसार बैराजों से 5 लाख 17 हजार 767 क्यूसेक पानी घाघरा में छोड़ा जा चुका है। जो मौजूदा सीजन का सबसे अधिक डिस्चार्ज बताया जा रहा है। अनुमान है कि यह पानी रविवार को एल्गिन ब्रिज से होकर गुजरेगा। उस समय घाघरा का जलस्तर अपने पीक पर जा सकता है। जबकि शनिवार को ही घाघरा का जलस्तर डेंजर लेबल से 63 सेमी ऊपर पहुंच चुका है। लोगों का अनुमान है कि रविवार को घाघरा का जलस्तर डेंजर लेबल से एक मीटर तक ऊपर जा सकता है। राजस्व विभाग से मिले आंकड़ों की मानें तो अब तक घाघरा तहसील करनैलगंज के बहुवन मदार मांझा में करीब 8 सौ बीघा जमीन को काटकर अपनी धारा में समाहित कर चुकी है। नदी की कटान लगातार जारी है। कटान करती हुई नदी बांध ा के बिल्कुल करीब आ चुकी है। शनिवार को बांध के भीतरी हिस्से में बसे गांवो में पानी भरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। आशंका है कि रविवार भोर तक बांध के भीतरी भाग में बसे गांवों में बाढ़ का पानी पहुंच जायेगा। यहां के लोगों को सतर्क रहने व आवश्यक सामान सहित बांध ा पर जाने के लिये तैयार रहने की सलाह दी गयी है।

शनिवार को घाघराघाट एल्गिन ब्रिज स्थित केन्द्रीय जल आयोग संस्थान से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार सुबह 8 बजे सीजन का सबसे अधिक डिस्चार्ज 5 लाख 17 हजार 763 क्यूसेक दर्ज किया गया। इतनी अधिक मात्रा में छोड़ा गया पानी गिरिजा, शारदा व सरयू बैराजों से घाघरा में छोड़ा गया है। अनुमान है कि यह पानी रविवार की भोर तक एल्गिन ब्रिज से गुजरेगा। बाढ़ खण्ड के अभियंताओं का कहना है कि शनिवार को ही घाघरा खतरा बिन्दु 106 दशमलव 07 के सापेक्ष 106 दशमलव 706 पर बह रही है। जो कि खतरा बिन्दु से 63 सेमी ऊपर है। ऐसे में जब एल्गिन ब्रिज से होकर सवा पांच लाख क्यूसेक पानी गुजरेगा तो उस समय नदी का जलस्तर डेजर लेबल से करीब एक मीटर ऊपर तक जा सकता है। एसडीएम करनैलगंज भारत भार्गव के अनुसार तहसील इलाके में बांध के भीतरी हिस्से में बसे 06 गांवो के 09 मजरे प्रभावित हो सकते हैं। इलाके में कुल नौ बाढ़ चौकियों को सक्रिय किया जा चुका हैं। लेकिन हकीकत इससे जुदा है ,अगर देखा जाय तो अकेले नकहरा ग्राम पंचायत के नौ मजरे ऐसे हैं, जो बांध के भीतरी हिस्से में बसे हुए हैं। इनमें देवकिसुन पुरवा, छंगूलाल पुरवा, दुलारे पुरवा, समंर पुरवा, बंसतलाल पुरवा, मछारनपुरवा, तीरथरामपुरवा, पुहिलपुरवा व राधेपुरवा शामिल है। इसके अलावा पसका व चन्दापुर किटौली के नाऊपुरवा, विचलामांझा सहित इकनिया मांझा पर बांढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसके अलावा बाराबंकी जनपद के मांझारायपुर, नैपुरा, परसावल जैसे तमाम गांव है जो घाघरा की जद में है। इन सभी पर बाढ़ का खतरा बरकरार है।

अब तक अकेले बहुवन मदार मांझा में आठ सौ वीघे नदी में समाए रू अगर सरकारी आंकड़ो पर गौर करें तो अकेले तहसील करनैलगंज के बहुवन मदार माझा में लगभग आठ सौ वीघे उपजाऊ जमीन नदी की कटान में समाहित हो चुकी है। यहां तैनात लेखपाल विनय यादव बताते है कि 132 लोगों को सहायता उनके खातों में भेजी जा चुकी है। इन सभी के खेत नदी की कटान में कट गये है। एसडीएम भारत भार्गव ने बताया कि नौ बाढ़ चौकियों को पूरी तरह से सक्रिय कर दिया गया है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लंच पैकेट वितरण का काम गांवों के प्रभावित होते ही शुरू करवा दिया जायेगा। अनुमान है कि शनिवार की रात से ही गांवो में पानी का जाना शुरू हो जायेगा।

सपा सुप्रीमों के साधु संतों पर बयान से भाजपा में उबाल

संवाददाता–बहराइच। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव की ओर से साधु संतों पर की गई टिप्पणी से भाजपा में उबाल आ गया है। शनिवार को भाजयुमो ने विरोध प्रदर्शन कर शहर स्थित डीएम तिराहे पर सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव का पुतला फूंका। भाजयुमो के जिला संयोजक अरुणेंद्र सिंह अंकित के नेतृत्व में पूर्व मुख्यमंत्री, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने साधु संतों के ऊपर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में डीएम चौराहे पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का पुतला फूककर विरोध दर्ज कराया गया। भाजयुमो जिला संयोजक ने की कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा संत समाज एवं सनातन धर्म के सम्मान में लड़ाई लड़ी है। जब भी संत समाज का अपमान हुआ। पार्टी उनके सम्मान में खड़ी रही। चाहे मंदिर आंदोलन हो या फिर अन्य कोई धार्मिक आंदोलन हो भाजपा सदैव हिन्दुत्व के साथ संतों के सम्मान में खड़ी रही। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का साधु संतों के विरुद्ध यह अमर्यादित बयान उनके मानसिक रूप से दिवालियापन को दर्शाता है। पुतला दहन कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा अंकुश यादव, जिला महामंत्री डॉ. जितेंद्र त्रिपाठी, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, नन्हेलाल लोधी, उपाध्याय रण विजय सिंह, उपाध्यक्ष सुवेद वर्मा, जिला मंत्री संजय राव, नगर अध्यक्ष अमित शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी देवेंद्र कुमार मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष सौरभ मिश्रा, शैलेंद्र यादव, ज्ञानेंद्र शर्मा, जिला मंत्री सुधाकर सिंह, रुकंद प्रताप सिंह, विक्की यादव, आनंद जायसवाल, अर्पित श्रीवास्तव, नितिन रूपानी, आनंद मिश्रा, श्रवण शुक्ल, सोनू, मंजुला पाठक, सतीश सिंह, मानवेंद्र प्रताप सिंह मन्नू, अमरीश गुप्ता, गौरव तिवारी आदि लोग उपस्थित रहे।

रसमोद कुंज में ठाकुर जी को कराया गया नौका विहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भादौ शुक्ल जलझूलनी एकादशी पर्व पर शनिवार को सिद्ध पीठ रसमोद कुंज के ठाकुर जी सरकार नौका विहार के लिए निकले। ऐसी मान्यता है कि जलझूलनी एकादशी पर मंदिरों में विराजमान भगवान के विग्रहों को नौका विहार कराकर उनका पूजन किया गया। इस परम्परा का निर्वहन रामनगरी की कई मंदिरों में किया जाता है। रसमोद कुंज में पीठाधीश्वर महंत रामप्रिया शरण गिरधारी महाराज के संयोजन में मंदिर परिसर में ठाकुर जी के नौका विहार के लिए कृतिम सरोवर का निर्माण किया गया जिसको सुगंधित फूलों से सजाया गया और भगवान को सनातन परंपरा के अनुसार आरती पूजन करके नौका पर बिठाकर नौका विहार कराया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित सैकड़ों लोगों ने इस अनुपम अलौकिक और दिव्य झांकी का आनंद लिए और भगवान को नौका विहार कराकर पुण्य के भागी बने।

पीठाधीश्वर महंत राम प्रिया शरण महाराज ने बताया कि पूर्वाचार्यों द्वारा बनाई गई परंपरा के अनुसार मंदिर परिसर में सरोवर का निर्माण किया गया और सरोवर को सुगंधित जल से भरा गया जिसमें ठाकुर जी की आरती पूजन कर नौका विहार के लिए उतारा गया यह कार्यक्रम लगभग 2 घंटे तक चला जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी को नौका विहार कराया और अंत में भगवान की आरती उतारी गई और फलाहारी खीर का प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। यह उत्सव जलझूलनी एकादशी को प्रतिवर्ष मनाया जाता है जिसमें अयोध्या के प्रसिद्ध पद गायक ठाकुर जी को पद गान करके सुनाते हैं और आए हुए भक्तो इस भक्ति में उत्सव का आनंद उठाते हैं और ठाकुर जी की कृपा प्राप्त करते हैं।

थाना दिवस में पांच शिकायतों का हुआ निस्तारण

संवाददाता–श्रावस्ती। सभी थानों में शनिवार को थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें अधिकारियों ने लोगों की शिकायत सुनी और समाधान किया। थाना समाधान दिवस में कुल 53 शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिसमें से पांच शिकायतों का निस्तारण किया गया।

थाना गिलौला में 10 शिकायत प्राप्त हुई। जिसमें एक का निस्तारण किया गया। इकौना में प्राप्त छह शिकायतों में से किसी का समाधान नहीं हुआ। मल्हीपुर में पांच शिकायत मिली किसी का समाधान नहीं हुआ। सिरसिया में प्राप्त 10 शिकायत में से तीन का निस्तारण किया गया। कोतवाली भिनगा में नौ, थाना सोनवा में छह व हरदत्त नगर गकरंट में चार शिकायती पत्र मिले। किसी का समाधान नहीं हो सका। वहीं नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती में प्राप्त तीन शिकायतों में से एक का मौके पर निस्तारण कराया गया।

दरवाजे पर खड़े मासूम पर भेड़िये ने किया हमला घसीटकर ले जा रहा था, ग्रामीणों ने बचाया

संवाददाता–गोण्डा। बीते शुक्रवार की रात करीब आठ बजे तरबगंज थाना क्षेत्र के पथार रंगभापुरवा गांव में अपने घर के दरवाजे पर खड़े नौ वर्ष के मासूम पर हिंसक जंगली जानवर ने हमला कर दिया। हिसंक जानवर मासूम को खींचकर ले जा रहा था जिसके चंगुल से ग्रामीणों ने मासूम को बचाया। लाठी–डंडों से हमला करके जानवर को भगाया। ग्रामीणों का दावा है कि हिंसक जानवर भेड़िया है। वहीं, पुलिस व वन विभाग की टीम गांव में पहुंचकर छानबीन कर रही है। पदचिन्हों से जानवर की पहचान कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शुक्रवार की रात में स्व. किशन कुमार का बेटा सुंदरम (09) घर से निकलकर दरवाजे पर आया तभी वहां छिपकर बैठे भेड़िये ने उस पर हमला कर दिया। लड़के को घसीटकर घर से 150 मीटर कुछ दूर ले जा रहा था, तभी चिल्लाने पर मासूम के सौतेले पिता भल्लर और पास से गुजर रहे गांव के समीउल्ला ने हिंसक जानवर पर लाठी–डंडे से हमला किया जिससे वह मासूम को छोड़कर पास के खेतों की तरफ भाग गया तब जाकर मासूम की जान बच सकी। शोर सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए व सूचना देने पर पुलिस व वन विभाग की टीम ने भी पहुंचकर मौके की जांच पड़ताल की। जानवर के हमले में मासूम के हाथ व सिर में गंभीर चोट आई हैं। मासूम को सीएचसी तरबगंज ले जाकर इलाज कराया गया। हिंसक जानवर के हमले के चश्मदीद समीउल्ला ने बताया कि हमला करने वाला जानवर भेड़िया ही था जिसकी पहचान उसने की है। दावा किया कि उसके पगचिन्ह भी सियार की अपेक्षा बड़े थे। यही नहीं उसके हमले का तरीका भी भेड़िये जैसा ही था। घटना के बाद गांव के लोग सहम गए हैं।

भेड़िये के हमले से बच्चे की जान बचाने वाले समीउल्ला ने बताया कि घटना के कुछ देर पहले पास के गांव खजुरी टेपरा के रिजवान पर भी हिंसक जानवर ने हमला किया था। रिजवान (16) ने बताया कि जब वह मजदूरी कर के वापस आ रहा था, तो सरदार फार्म के पास उस पर अज्ञात जानवर ने उसके पैर पर हमला किया था लेकिन शोर मचाने व बचाव करने पर वह भाग निकला। क्षेत्र में भेड़िये की आमद की आशंका को लेकर दहशत का माहौल है, लोग रतजगा कर रखवाली करने को मजबूर है। वन विभाग के रेंजर ज्योतिर्मय शुक्ला ने बताया कि घटना की सूचना पर विभाग के कर्मियों को सक्रिय किया गया है। पगचिन्हों से हिंसक जानवर की पहचान की जा रही है। अभी भेड़िया कहना जल्दबाजी होगी। जानवर की पहचान होने पर उसके पकड़ने का प्रबंध भी उसी के हिसाब से किया जाएगा। ग्रामीणों को सजग रहने के लिए कहा गया है। जरूरत पड़ने पर अंधेरे में घर से बाहर निकलने पर लोग हाथ में लाठी डंडे व टॉर्च लेकर ही चलें और समूह में ही निकलें।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान चलाया गया

संवाददाता–श्रावस्ती। प्रभारी निरीक्षक थाना एएचटीयू मोहम्मद यूनुस आजम की ओर से शनिवार के पुलिस टीम के साथ कोतवाली भिनगा क्षेत्र के लव विद्या पीठ व शिवालिक महाविद्यालय खरगौरा में जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र छात्राओं को बालश्रम उन्मूलन अभियान, बालभिक्षावृत्ति, मानव तस्करी, बाल विवाह रोकथाम, बंधुआ मजदूरी आदि के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही बाल श्रम, बाल विवाह, बाल भिक्षावृतिके साथ ही नशा न करने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर उपनिरीक्षक मनोज कुमार पांडेय, महिला उपनिरीक्षक पुष्पलता, आरक्षी देवेंद्र कुमार मौर्य, आरक्षी विश्वनाथ प्रताप, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी, महिला आरक्षी काजलआदि मौजूद रहे।

चाइनीज लहसुन, मक्का लदा ट्रक लापता

संवाददाता–महराजगंज। शहर से तस्करी की चाइनीज लहसुन और मक्का लोड कर एक ट्रक लापता हो गया है। मामले में एक शख्स ने पुलिस से शिकायत कर कार्रवाई की गुहार लगाई थी। पुलिस मामले को गंभीरता से लेते हुए तहरीर के आधार पर ट्रांसपोर्ट कंपनी के एजेंट समेत चार लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया। शहर के लोहिया नगर वार्ड निवासी शख्स महेश यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह लहसुन और मक्का आदि का थोक व्यवसाय करता है। वह ट्रांसपोर्ट कंपनी और कमीशन एजेंट के माध्यम से ट्रक पर सामान को लोडकर बड़े शहरों में भेजते है। 30 अगस्त निचलौल के मंडी रोड स्थित एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के प्रोपराइटर से निचलौल शहर से दिल्ली मक्का और लहसुन भेजने के लिए डीसीएम ट्रक बुक किया था। ट्रक पर 62.80 क्विंटल लहसुन और 20 क्विंटल मक्का लोड था। दोनों की कुल कीमत 1557200 रुपये है। ट्रक चालक और खलासी शहर से सामान को लोड कर दिल्ली के लिए उसी दिन रवाना हो गए। कुछ ही घंटों बाद सामान लेकर दिल्ली के लिए निकली ट्रक का लोकेशन नहीं मिला। केस दर्ज होने के बाद मामले का उजागर होने पर बताया जा रहा है, की लापता ट्रक पर लदी लहसुन और मक्का चाइनीज है। जिसे नेपाल से तस्करी कर भारत लाया गया था। थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया की तहरीर के आधार पर ट्रांसपोर्ट कंपनी के एजेंट, ट्रक चालक समेत चार पर केस दर्ज किया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता को आगे बढ़ने का कार्य किया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। उत्तर प्रदेश सहकार भारती के प्रदेश अधिवेशन का शुभारंभ मुख्यअतिथि प्रदेश के सहकारिता मंत्री जीपीएस राठौर,विशिष्ट अतिथि इफको के प्रबंध निदेशक उदय शंकर अवस्थी,महापौर अयोध्या धाम गिरीशपति त्रिपाठी, महंत अवधेश दास बड़ा भक्तमाल अयोध्यधाम , सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीना नाथ ठाकुर ,राष्ट्रीय महामंत्री डा.उदय जोशी व प्रदेशमंत्री कृष्ण कुमार ओझा ने भारत माता व श्रद्धेय लक्ष्मणराव इनामदार के चित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया। इस अवसर पर सहकार भारती यूपी के स्मारिका का विमोजन भी किया गया। सहकार भारती के प्रदेश अधिवेशन में उत्तर प्रदेश के सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर ने संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय सहकारिता मंत्री माननीय अमित शाह जी ने सहकारिता के आंदोलन को देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी की सोच के साथ आगे बढ़ने का काम किया। साथ ही सहकारिता विभाग का अलग से गठन करते हुए अलग मंत्रालय बनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने सोच को स्पष्ट किया। आगे उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन की मुख्य वजह यह थी कि हमारे किसानों को सूदखोरों और साहूकारों से मुक्ति दिलाने के लिए आंदोलन शुरू किया गया था और तमाम सहकारी समितियां

की स्थापना की गई और इन सभी समितियां ने अपनी भूमिका का अच्छे से निर्वहन भी किया लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस की सरकार के समय इन सहकारी संस्थाओं को लूट और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया और कारण यह हुआ कि सहकारिता विभाग अपनी अंतिम सांसों पर पहुंच गया था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इफको के प्रबंध निदेशक उदय शंकर अवस्थी जी ने कहा कि सहकारिता एक ऐसा विषय है जो बहुत विराट है। जिसकी सीमा नहीं है। सहकार से ही समृद्धि का रास्ता तय होगा निश्चित रूप से सहकारिता के क्षेत्र में सहकार भारती देश का सबसे बड़ा संगठन है और आने वाले समय में यह सहकारिता को एक नई दशा व दिशा प्रदान करेगा।इस अवसर पर सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री डा. उदय जोशी ने कहा कि सहकारिता का भाव हमारा मूल मंत्र और सांस्कृतिक धरोहर है। सहकार भारती देश में पिछले 44 वर्षों से लगातार काम कर रही है। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि पूरे उत्तर प्रदेश के 75 जिलों में जिला कार्यकारिणी का गठन हो चुका है।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सहकार भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनानाथ ठाकुर ,अयोध्या धाम के महापौर गिरीस पति त्रिपाठी और महंत अवधेश दास बड़ा भक्तमाल अयोध्यधाम ने भी संबोधित किया। प्रदेश मंत्री कृष्ण कुमार ओझा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पीसीएफ के अध्यक्ष वाल्मीकि त्रिपाठी, यूपीसीबी के अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह , प्रदेश संगठन प्रमुख डॉ अरुण सिंह ,संपर्क प्रमुख अशोक शुक्ला ,प्रदेश कोषाध्यक्ष शिवेंद्र प्रताप सिंह ,प्रदेश मीडिया प्रमुख विवेक राय सहित कई सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष व डायरेक्टर ,सहकार भारती के पदाधिकारी व वह समस्त जिलों से आए प्रतिनिधि शामिल रहे।

ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ ही है, लेकिन लोग दूसरे शब्दों में मस्जिद कहते हैं -सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के चारों कोनों में आध्यात्मिक पीठों की स्थापना करने वाले आदि शंकर की काशी में की गई साधना के समय भगवान विश्वनाथ द्वारा ली गई परीक्षा के एक उद्धरण का उल्लेख करते हुए कहा कि दुर्भाग्य से आज जिस ज्ञानवापी को कुछ लोग मस्जिद कहते हैं, वह ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ जी ही हैं। सीएम योगी शनिवार को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 'समरस समाज के निर्माण में नाथपंथ का अवदान' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। यह दो दिवसीय संगोष्ठी गोरखपुर विश्वविद्यालय और हिंदुस्तानी एकेडमी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। दीक्षा भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री एवं नाथपंथ की अध्यक्षीय पीठ, गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने संतों और ऋषियों की परंपरा को समाज और देश को जोड़ने वाली परंपरा बताते हुए आदि शंकर का विस्तार से उल्लेख किया।

कहा कि केरल में जन्मे आदि शंकर ने देश के चारों कोनों में धर्म–अध्यात्म के लिए महत्वपूर्ण पीठों की स्थापना की। आदि शंकर जब अद्वैत ज्ञान से परिपूर्ण होकर काशी आए तो भगवान विश्वनाथ ने उनकी परीक्षा लेनी चाही। ब्रह्म मुहूर्त में जब आदि शंकर गंगा स्नान के लिए निकले तब भगवान विश्वनाथ एक अछूत के वेश में उनके सामने खड़े हो गए। आदि शंकर ने जब उनसे मार्ग से हटने को कहा तब उसी रूप में भगवान विश्वनाथ ने उनसे पूछा कि आप यदि अद्वैत ज्ञान से पूर्ण हैं तो आपको सिर्फ भौतिक काया नहीं देखनी चाहिए। यदि ब्रह्म सत्य है तो मुझमें भी वही ब्रह्म है जो आपमे है। हतप्रभ आदि शंकर ने जब अछूत बने भगवान का परिचय पूछा तो उन्होंने बताया कि मैं वही हूं, जिस ज्ञानवापी की साधना के लिए वह (आदि शंकर) काशी आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ज्ञानवापी साक्षात विश्वनाथ स्वरूप ही है। सीएम योगी ने कहा कि भारतीय ऋषियों–संतों की परंपरा सदैव जोड़ने वाली रही है। इस संत–ऋषि परंपरा ने प्राचीन काल से ही समतामूलक और समरस समाज को महत्व दिया है। हमारे संत–ऋषि इस बात ओर जोर देते हैं भौतिक अस्पृश्यता साधना के साथ राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए बाधक है। मुख्यमंत्री ने कहा, अस्पृश्यता को दूर करने पर ध्यान दिया गया होता तो देश कभी गुलाम नहीं होता। संत परंपरा ने समाज में छुआछूत और अस्पृश्यता को कभी महत्व नहीं दिया। यही नाथपंथ की भी परंपरा है। नाथपंथ ने हरेक जाति, मत, मजहब, क्षेत्र को सम्मान दिया। सबको जोड़ने का प्रयास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नाथपंथ ने काया की शुद्धि के माध्यम से एक तरफ आध्यात्मिक उन्नयन पर जोर दिया तो दूसरी तरफ समाज के हरेक तबके को जोड़ने के प्रयास किए। सीएम योगी ने कहा कि महायोगी गुरु गोरखनाथ जी की शब्दियों, पदों और दोहों में समाज को जोड़ने और सामाजिक समरसता की ही बात है। उनकी गुरुता भी सामाजिक समरसता को मजबूत करने के लिए प्रतिष्ठित है। यहां तक कि मलिक मुहम्मद जायसी ने भी कहा है, 'बिनु गुरू पंथ न पाइये, भूले से जो भेंट, जोगी सिद्ध होई तब, जब गोरख सौं भेंट।'

संत कबीरदास जी भी उनकी महिमा का बखान करते हैं तो गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं, 'गोरख जगायो जोग, भगति भगायो लोग निगम नियोग सों।' सीएम योगी ने कहा कि संत साहित्य की परंपरा, इसकी श्रृंखला गुरु गोरखनाथ के साहित्य से आगे बढ़ती है। उन्होंने बताया कि पीताम्बर दत्त जी ने गोरखवाणी को संकलित किया और इसके लिए उन्हें हिंदी में डी. लिट् की उपाधि प्राप्त हुई।

सीएम योगी ने कहा, सत्य और जीवन के रहस्यों को समझाती है श्रीमद्भागवत कथा

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा सत्य और जीवन के रहस्यों को समझाने वाली कथा है। यह सफलता के चरम उत्कर्ष और जीवन के परम सत्य तक पहुंचने की कथा है। हमारे जीवन की दैनिक, पारिवारिक, समाजिक और व्यावहारिक घटनाएं श्रीमद्भागवत कथा के इर्दगिर्द घूमती दिखाई देती हैं। सीएम योगी गोरखनाथ मंदिर में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की 55वीं एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की 10वीं पुण्यतिथि समारोह के उपलक्ष्य में शनिवार अपराह्न श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ अवसर पर अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। मंदिर के दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में व्यासपीठ का पूजन करने के बाद उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण मोक्ष ग्रंथ है। मोक्ष का अर्थ केवल जीवन से मुक्ति तक सीमित नहीं है। मोक्षदायी भागवत कथा का अर्थ व्यक्ति जिस क्षेत्र में हो, उसमें पारंगत होने, उसके रहस्यों को जानने और सफलता के चरम पहुंचने की कथा से है।

सीएम योगी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा और भगवान श्रीराम की लीला से जुड़ी कथाएं सनातन जनमानस में अत्यंत लोकप्रिय हैं। सनातन धर्म के इन दो देवों (श्रीराम और श्रीकृष्ण) ने जनमानस को जितना प्रभावित किया है, उतना व्यापक दृष्टांत पूरी दुनिया में कहीं और नहीं मिलता है। उन्होंने कहा कि ऐसे दौर में जब हर व्यक्ति व्यस्त है, उन स्थितियों में भी श्रद्धालुओं का सप्ताहभर घंटों कथा श्रवण से जुड़ने की परंपरा है। श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा अपने अतीत व विरासत को झांकने अवसर भी प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाभारत के भीषण संघर्ष में हर प्रकार की व्यापक हानि उन्हीं वेद व्यास जी के सामने हुई, जिनके आशीर्वाद से वंश परंपरा आगे बढ़ी। सोचा जा सकता है कि वेद व्यास जी के लिए महाभारत का समय कैसा रहा होगा। वेद व्यास जी ने मनःशांति के लिए श्रीमद्भागवत महापुराण की रचना की। वेद व्यास जी द्वारा 5200 वर्ष पूर्व रचित श्रीमद्भागवत महापुराण निरंतर सनातन धर्मावलंबियों के जीवन का मार्ग प्रशस्त करते हुए प्रेरणास्रोत बना हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विचारणीय है कि कितने मत, मजहब और सम्प्रदाय का इतिहास पांच हजार वर्ष पुराना होगा? पर, श्रीमद्भागवत कथा पांच हजार वर्ष पूर्व से मानवीय सभ्यता, आध्यात्मिक उन्नयन और भौतिक विकास के उत्कर्ष का रहस्योद्घाटन करती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मोक्ष अचानक नहीं प्राप्त हो सकता। इसके लिए धर्म का आचरण करते हुए नैतिक माध्यम से अर्थोपार्जन करना होगा। इस मार्ग पर चलकर कामनाओं की सिद्धि होने पर मोक्ष प्राप्ति में भी सफलता मिल जाएगी। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा मोक्ष प्राप्ति के इसी रहस्य को समझाती है। श्रीमद्भागवत महापुराण में लीला भगवान श्रीकृष्ण की है लेकिन शब्दावली वेद व्यास जी की है जो जीवन के रहस्यों का उद्घाटन, सनातन मूल्यों और उत्कर्ष से जुड़ी है। सीएम योगी ने कहा कि सनातन में यह अक्षुण्ण मान्यता है कि धर्म केवल उपासना विधि नहीं है। पूजा पद्धति, धर्म का एक हिस्सा हो सकता है लेकिन सम्पूर्ण धर्म नहीं हो सकती। इसीलिए सच्चा हिंदू किसी एक पूजा पद्धति पर लकीर का फकीर नहीं रहा है। सीएम ने कहा कि जिस धर्म (सनातन) में इतनी व्यापकता हो, जीवन के उतार–चढ़ाव को समभाव से वही देख सकता है। किसी भी उतार–चढ़ाव में सनातन की व्यापकता बनी रही है।

मुख्यमंत्री के संबोधन के उपरांत श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का रसपान व्यासपीठ पर विराजमान कथा व्यास, श्रीराम मंदिर गुरुधाम काशी से पधारे जगद्गुरु अनंतानंद द्वाराचार्य काशीपीठाधीश्वर स्वामी डॉ. रामकमेल दास वेदांती जी ने कराया। कथा प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से शाम 6 बजे तक सुनाई जाएगी। इसका विराम 20 सितंबर को होगा।

श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ से पूर्व गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में मुख्य मंदिर से कथा स्थल तक बैंडबाजे, शंख ध्वनि की गूंज तथा वेदपाठी विद्यार्थियों के वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महापुराण की पोथी शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के कथा स्थल पहुंचने पर गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने अखंड ज्योति स्थापित की। पोथी प्रतिष्ठा और कथा व्यास के विराजमान होने के उपरांत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व अन्य यजमान ने व्यासपीठ की पूजा की।

इस अवसर पर गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, दिगम्बर अखाड़ा अयोध्या के महंत सुरेश दास, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास उर्फ सतुआ बाबा, बड़े भक्तमाल अयोध्या के महंत अवधेश दास, सुदामा कुटी वृंदावन के महंत सुतीक्ष्ण दास, कालीबाड़ी के महंत रविंद्र दास, पंचानन पुरी, विधायक विपिन सिंह, महेंद्रपाल सिंह, पूर्व महापौर सीताराम जायसवाल समेत यजमानगण और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

जमीनी विवाद में हथौड़े से मारकर सिर फोड़ा, दबंग का रिश्तेदार दिखा रहा था पिस्टल, वीडियो वायरल

संवाददाता–गोरखपुर। शनिवार सुबह नौ बजे आरोपी अपने रिश्तेदारों को लेकर पीड़िता के गेट को कटर मशीन और हथौड़े से तोड़वा रहा था। पीड़िता ने मना किया तो उसके एक रिश्तेदार ने कमर से शर्ट उठाकर पिस्टल दिखाकर डराने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के बेटे विकास कुमार को ईंट डंडे और हथौड़े से सिर पर मारकर कर जख्मी कर दिया। गुलरिहा इलाके शिवपुर सहबाजगंज में शनिवार की सुबह एक दबंग ने विधवा महिला के गेट को हथौड़े और कटर मशीन से काटकर गिरा दिया। विरोध करने पर उसके बेटे को हथौड़े से मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। आरोप है कि दबंग के एक रिश्तेदार पिस्टल दिखाकर पीड़ितों को डरा रहे थे, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को थाने बुलाकर मामले में पूछताछ कर रही है। जानकारी के मुताबिक, गुलरिहा इलाके के पादरी बाजार मुख्य सड़क स्थित शिवपुर सहबाजगंज निवासी विधवा उर्मिला देवी का जमीन है। उन्होंने बताया कि तीन साल पहले प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें आवास मिला था।

निर्माण शुरू कराया तो बगल के एक मनबढ़ ने अपनी जमीन बता कर काम रोक दिया। जिसको लेकर कई बार तहसील और थाने पर प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तभी से उस जमीन को लेकर कई बार विवाद हो चुका है।

आरोप है कि शनिवार सुबह नौ बजे आरोपी अपने रिश्तेदारों को लेकर पीड़िता के गेट को कटर मशीन और हथौड़े से तोड़वा रहा था। पीड़िता ने मना किया तो उसके एक रिश्तेदार ने कमर से शर्ट उठाकर पिस्टल दिखाकर डराने लगा। विरोध करने पर आरोपी ने पीड़िता के बेटे विकास कुमार को ईंट डंडे और हथौड़े से सिर पर मारकर कर जख्मी कर दिया। आसपास के लोगों ने बताया कि आरोपी ने नगर निगम की जमीन पर ही दुकान बनाई है। मुख्य मार्ग पर होने की वजह से उस दुकान की कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक होगी।

पति ने की पत्नी की हथौड़े से सिर कूंच कर किया हत्या

संवाददाता–गोरखपुर। एक पति ने अपनी पत्नी की हत्या कर दी। पति को अपनी पत्नी के चारित्र पर काफी दिनों से शक था। इसी बात को लेकर पहले दोनों में विवाद हुआ, इसके बाद पति में पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार कर उसे मार डाला। घटना बेलघाट इलाके शंकरपुर गांव की है। घटना के बाद आरोपी पति मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की पड़ताल में जुट गई है। एसपी साउथ जितेंद्र कुमार ने बताया, पति को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था, जिसमें पति ने पत्नी के सिर पर किसी चीज से वार कर उसकी हत्या कर दी। पुलिस केस दर्ज कर मामले की पड़ताल कर रही है। जल्द ही आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। दरअसल, नकुल गुप्ता और सोनी गुप्ता की शादी करीब 7–8 साल पहले हुई थी। नकुल पहले विदेश में काम करता था, लेकिन डेढ़ साल पहले वह शंकरपुर लौट आया था। उनके बीच लंबे समय से घरेलू विवाद चल रहा था, खासकर सोनी के किसी अन्य के साथ अवैध संबंध के शक को लेकर। इस विवाद को सुलझाने के लिए कई बार पंचायत भी हुई, लेकिन रिश्ते में सुधार नहीं हुआ।

नकुल ने इस बीच सोनी के खिलाफ बिदाई का मुकदमा भी दायर कर दिया था। लगभग एक साल से सोनी अपने मायके लिघरा में रह रही थी और गोरखपुर सिटी मॉल में काम कर रही थी। उसकी मां, कुसमौती देवी के अनुसार, सोनी और नकुल के बीच फोन पर बातचीत होती रहती थी। 13 तारीख को नकुल ने सोनी को शंकरपुर बुलाया और 14 तारीख को हत्या की घटना को अंजाम दिया। घटनास्थल पर एसपी साउथ जितेंद्र कुमार, सीओ खजनी दरवेश कुमार, फॉरेंसिक टीम, और थाना अध्यक्ष बेलघाट नवनीत नागर ने पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और सैंपल कलेक्शन किया।

एम्स के संविदा नर्सों की नहीं जाएगी नौकरी, होगा पुनर्नियोजन

संवाददाता–गोरखपुर। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) से निकल जा रहे 56 संविदा नर्सों के लिए राहत की खबर है। एम्स प्रशासन संविदा नर्सों को पुनर्नियोजित करने का प्रयास करेगा। इसके लिए उपनिदेशक प्रशासन अरुण सिंह ने आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि यह संविदा नर्सें एम्स के शुरुआत से यहां तैनात हैं। कोविड काल के दौरान इन्होंने वार्ड में ड्यूटी की। मरीजों की जान बचाई। यह सही है की नर्सों के लिए तय पदों पर स्थाई नर्सों की नियुक्ति हो चुकी है। यह वजह है कि इन 56 नर्सों को नोटिस दिया गया है। हालांकि एम्स प्रशासन इन्हें पुनर्नियोजित करने का प्रयास करेगा। इस पुनर्नियोजन में मानदेय में कुछ अंतर जरूर हो सकता है। कोशिश की जा रही है कि अधिकांश नर्सों को पुनर्नियोजित किया जा सके। किसी को भी की भी नौकरी छीनने कोशिश एम्स प्रशासन नहीं करेगा। एम्स प्रशासन भविष्य की विभिन्न योजनाओं में इन्हें समायोजित करेगा। उप निदेशक प्रशासन ने बताया कि इन नर्सों के पुनर्नियोजन को लेकर मुख्यमंत्री व सांसद से पत्र मिला है। नर्सों ने उनसे अपनी पीड़ा बताई थी। इस पर विचार किया जा रहा है।

ट्रांसफार्मर के सामान सहित पांच चोर गिरफ्तार

संवाददाता–गोरखपुर। सिकरीगंज थाना क्षेत्र के गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे पुल के पास में पांच चोरों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों के पास से 16 किलो कापर वायर, ट्रांसफार्मर के अंदर लगे लोहे की 26 किलो पत्ती, एल्युमीनियम वायर छह किलो तथा ट्रांसफार्मर आयरनफ्रेम 60 किलो बरामद कर लिया। आरोपितों को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेजा गया। जानकारी के मुताबिक, सिकरीगंज थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर से सूचना मिली कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के पास से चोरी का सामान बेचने के लिए पल्सर व स्कूटी गाड़ी से पांच लोगों खड़े हैं। पांच लोग बोरी में तार व वायर रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं।

कार्रवाई के लिए भटक रहे मृतका के परिजन, नहीं हो रही सुनवाई

संवाददाता–संतकबीरनगर। धनघटा क्षेत्र के सुरैना स्थित एक अस्पताल संचालक के यहां पिछले दिनों उपचार के दौरान प्रसूता की हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल ले जाते समय रास्ते में जच्चा बच्चा दोनों की मौत हो गई।

इसके बाद मृतक के परिजनों ने मुख्य चिकित्साधिकारी के अलावा थाने पर प्रार्थना पत्र का देकर कार्रवाई की मांग की। लेकिन 13 दिन का समय बीत जाने के बाद भी अस्पताल संचालक के ऊपर कार्रवाई नहीं हो सकी। इसके कारण परिजन दर–दर भटक रहे हैं।

धनघटा थाना क्षेत्र के हरेवा निवासी संदीप मौर्य पुत्र लालमन मौर्य का आरोप है कि उनकी पत्नी मनीष मौर्य को 31 अगस्त 2024 को प्रसव पीड़ा शुरू हुई तो उसे लेकर सुरैना स्थित एक अस्पताल पर पहुंचे। वहां मौजूद डॉक्टर, अस्पताल संचालक और स्वास्थ्य कर्मी उनकी पत्नी को उपचार के लिए रोक लिए और नार्मल डिलेवरी करवाने का उन लोगों ने आश्वासन दिया। रात लगभग दो बजे चिकित्सक ने जवाब दे दिया कि उसकी हालत बिगड़ रही है।

2:30 बजे रात में आनन –फानन में वह अपनी पत्नी को लेकर एंबुलेंस से जिले पर जा रहे थे रास्ते में ही जच्चा–बच्चा दोनों की मौत हो गई। उसके बाद अस्पताल संचालक को जब जानकारी हुई तो वह अस्पताल में ताला लगाकर फरार हो गए। पत्नी का दाह संस्कार करने के बाद वह सीएमओ तथा थानाध्यक्ष को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई करने की मांग की। लेकिन लगभग 13 दिन का समय बीत गया कार्रवाई नहीं हुई। इससे मजबूर होकर वह दर–दर भटक रहे हैं।

इस संबंध में पूछने पर सीएचसी हैंसर के अधीक्षक जितेंद्र चौधरी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच अंतिम स्तर तक पहुंच चुकी है। जल्द ही रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेज दी जाएगी। सीओ अजय कुमार का कहना है कि मुकदमा दर्ज करने के लिए थानाध्यक्ष को निर्देशित कर दिया गया है। जल्द ही मुकदमा दर्ज हो जाएगा पीड़ित को न्याय हर हाल में मिलेगा।

सीसी सड़क एवं नाली निर्माण शुरू

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्य संवाददाता बाबा गम्भीरनाथ वार्ड 05 के पार्षद बरकत अली ने शनिवार को मेडिकल कॉलेज के पीछे आबाद नौतन विहार कॉलोनी में सीसी सड़क एवं नाली निर्माण का शुभारंभ कराया। ठेकेदार को निर्देशित किया कि गुणवत्ता का बेहद ख्याल रखें। निर्धारित अवधि में निर्माण कार्य पूरा करें। उधर मोहल्ले के लोगों ने सड़क नाली निर्माण कार्य शुरू होने पर मिठाइयां वितरित की और पार्षद का स्वागत भी किया। पार्षद का स्वागत करने वालों में श्रीनिवास त्रिपाठी, शशिभूषण मणी, उमेश, चंदू सिंह, अजय श्रीवास्तव, मनोज पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे।

निज भाषा के बिना उन्नति नहीं कर सकता राष्ट्र

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। हिन्दी दिवस के मौके पर जिले में विविध कार्यक्रम हुए। स्कूल कॉलेजों में हिन्दी विषय पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। कॉलेजों में हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ भी किया गया। आयोजित कार्यक्रमों में लोगों को कार्यालयी कार्यों में हिन्दी भाषा के अधिक से अधिक प्रयोग का आह्वान किया गया। नगर के रमाबाई पीजी कालेज में राजभाषा हिन्दी विषय पर विचार गोष्ठी हुई। साथ ही हिन्दी पखवाड़े का शुभारंभ हुआ। शुभारंभ करते हुए प्राचार्य प्रो. शेफाली सिंह ने कहा कि सांस्कृतिक विविधता वाले भारत देश में हिंदी ही ऐसी भाषा है जो लोगों को जोड़कर रखने में अहम भूमिका निभाती है। भारत के विकास में हिंदी भाषा की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। भारतीय होने के नाते हमें अपनी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। प्रोफेसर सुधा ने कहा कि हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है। प्रोफेसर अरविंद कुमार वर्मा, डॉ अनूप पांडे, डॉ कृष्ण कुमार विश्वकर्मा, छात्रा निष्ठा, मानवी वर्मा, शुभा सिंह, दीप माला, प्रज्ञा, अनुष्का व शिवांगी ने अपने विचार व्यक्त किए। उधर राजकीय हाई स्कूल जहांगीरगंज में वाद विवाद और क्विज प्रतियोगिता हुई।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा– 198 (4) Z.A.Act

अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामचन्दर

बनाम

मगन

1. मगन 2. भोला 3. रामजीत पुत्रगण झिनकान निवासी वेलाड़े शुक्ल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा– 115 P Z.A.Act

अदालत– श्रीमान अपर कलेक्टर महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामचन्दर

बनाम

मगन

1. मगन 2. भोला 3. रामजीत पुत्रगण झिनकान निवासी वेलाड़े शुक्ल तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 18–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 18 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0–

धारा– 109 (A) C.H.Act

अदालत– श्रीमान चकबन्दी अधिकारी सोनूपार महोदय बस्ती जिला–बस्ती

राजेन्द्र शंकर

बनाम

रामनैन सिंह

राजेन्द्र शंकर पुत्र रामसुन्दर निवासी ग्राम सरैया खास तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 25–09–2024

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 25 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

वाद सं0 1076/2023

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0)/बस्ती महोदय जिला–बस्ती

विनोद सिंह

बनाम

नीतू सिंह आदि

1. श्रीमती नीतू सिंह पत्नी स्व0 संजीव सिंह साकिन गाजीपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 2. श्रीमती मोहनी सिंह पत्नी स्व0 वृजेश कुमार सिंह उर्फ वृजेश सिंह 3. रोहित सिंह पुत्र स्व0 वृजेश कुमार सिंह उर्फ वृजेश सिंह 4. कु0 सुचि सिंह पुत्री स्व0 वृजेश कुमार सिंह उर्फ वृजेश सिंह ग्राम दिवाकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. श्रीमती शोभा सिंह पत्नी श्री रामसेवक सिंह ग्राम दिवाकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 6. वीरबहादुर सिंह 7. रामसेवक सिंह 8. नरेन्द्र बहादुर सिंह 9. उमेश सिंह पुत्रगण स्व0 देवी प्रसाद सिंह साकिनान ग्राम दिवाकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 10. राजेश्वरी प्रताप सिंह उर्फ राजेश्वर प्रताप सिंह पुत्र मनवहाल सिंह ग्राम दिवाकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 11. चन्द्र प्रकाश सिंह पुत्र कामेश्वरी सिंह साकिन ग्राम दिवाकरपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 07–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 07 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 10 माह 09 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**

संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेल**bhartiyabasti@yahoo.com**

bhartiyabasti@gmail.com